राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 12 नवम्बर 2025 वर्ष-8,अंक-255 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता के गंभीर श्रेणी में पहुंचा, ग्रैप-3 लागू

कक्षा-5 तक की कक्षाओं को हाइब्रिड मोड में स्थानांतरित करने की सलाह

नई दिल्ली दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता के गंभीर श्रेणी में पहुंचने के बाद केंद्र सरकार ने मंगलवार को ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के तीसरे चरण में कड़े प्रदूषण-रोधी उपाय लागू किए हैं। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने बताया कि शहर का औसत एक्युआई सोमवार के 362 से बढ़कर मंगलवार सुबह 425 हो गया। वातावरण स्थिर था और प्रतिकूल सर्दियों की स्थिति के कारण प्रदूषक सतह के पास ही फंस गया। चरण-3 के प्रतिबंधों में गैर-जरूरी निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध के साथ स्टोन क्रेशर और खनन कार्य भी बंद करना शामिल है। कक्षा-5 तक की कक्षाओं को हाइब्रिड मोड में स्थानांतरित करने की सलाह दी गई है। अभिभावक और छात्र जहां भी उपलब्ध हों, ऑनलाइन शिक्षा का विकल्प चुन सकते हैं। चरण-3 के तहत दिल्ली और आसपास के एनसीआर जिलों में बीएस-3 पेट्रोल कारों और बीएस-4 डीजल चार पहिया वाहनों के उपयोग पर भी प्रतिबंध है। विकलांग व्यक्तियों को इससे छूट दी गई है। प्रतिबंधों के अंतर्गत चरण-3 के अंतर्गत कक्षा-5 तक की कक्षाओं को हाइब्रिड मोड में स्थानांतरित करना जरुरी है। हालांकि, माता-पिता और छात्रों के पास जहां भी उपलब्ध हो, ऑनलाइन शिक्षा चुनने का विकल्प हो सकता है। चरण-3 के अंतर्गत दिल्ली और आसपास के एनसीआर जिलों में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल कारों का इस्तेमाल प्रतिबंधित है। हालांकि, विकलांग लोगों को इससे छूट दी गई है। चरण-3 के प्रतिबंधों के अंतर्गत दिल्ली में बीएस-4 या उससे पुराने मानकों वाले गैर-जरूरी डीजल चालित मालवाहक वाहनों पर भी प्रतिबंध है।

मुंबई दिल्ली और चेन्नई की जमीन मे धंसाव

खराब जल प्रबंधन और खराब इंफ्रास्ट्रक्चर से हजारों बहूमंजली इमारतों पर संकट

नईदिल्ली नेचर सस्टेनेबिलिटी पत्रिका में छपे अध्ययन के अनुसार दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और बेंगलुरु में 878 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र की जमीन बड़ी तेजी के साथ धंसती चली जा रही है। 2015 से 2023 के बीच में यूरोपीय उपग्रह सेंटिनेल-1 के रडार आंकड़ों के विश्लेषण से यह जानकारी प्राप्त हुई है। उपरोक्त शहरों की जमीन बड़ी तेजी के साथ नीचे धंस रही है। विश्लेषण में 13.27 मिलियन इमारतों को शामिल किया गया है। जिसमें से 2406 इमारतें काफी उच्च जोखिम क्षेत्र में आई हैं। अगर यही रुझान आगे भी जारी रहा, तो 50 वर्षों के अंदर 23500 इमारतें संकट मे आ सकती हैं। दिल्ली और चेन्नई में सबसे बड़ा खतरा बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में 51 मिमी प्रतिवर्ष, चेन्नई में 31.7 मुंबई में 26.1 कोलकाता में 16.4 बेंगलुरु में 6.7 मिली मीटर प्रति वर्ष की दर से जमीन नीचे की ओर धंस रही है। जिसके कारण बहू मंजली इमारतों की नीव झुक सकती है। इंफ्रास्ट्रक्चर गिर सकता है। दिल्ली एनसीआर में बिजवासन, फरीदाबाद और गाजियाबाद सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। चेन्नई के अडयार और तोंडियारपेट क्षेत्र में भूजल दोहन के वजह से तेजी के साथ जमीन धंस रही है। मुंबई में धारावी, थाणे और वडाला क्षेत्र मैं सबसे ज्यादा खतरा है। वहीं कोलकाता में हावड़ा, ट्रॉलीगंज और विधान नगर में मिट्टी के संकुचन से धसाँव हो रहा है। बेंगलुरु के हर्बल और वाइट फील्ड जैसे इलाकों में यह परिवर्तन देखने को मिला है। जांच रिपोर्ट में 2002 से 2023 के दौरान सभी शहरों के जल भंडारण में गिरावट, शहर के ऊपर बढ़ता बोझ, कमजोर जल नीति, अनियमित मानसून के कारण बदलाव की यह स्थिति बन रही है।

दिल्ली ब्लास्ट-गिरफ्तार डॉ. मुजम्मिल के करीबी परवेज के घर पुलिस ने मारा छापा

लखनऊ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लाल किला मैट्रो स्टेशन के पास सोमवार शाम कार में हुए धमाके के बाद सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। इसी कड़ी में एटीएस और जम्मू-कश्मीर पुलिस की एक संयुक्त टीम ने यूपी राजधानी लखनऊ के मड़ियांव स्थित आईआईएम रोड, मुत्तकीपुर में एक डॉक्टर के घर पर छापेमारी की। संदिग्ध डॉक्टर परवेज़ अंसारी के घर का ताला तोड़कर तलाशी ली गई। इस बीच राजधानी के प्रमुख इलाकों में चेकिंग और सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बताया जाता है कि परवेज़ अंसारी का संबंध डॉक्टर आदिल और डॉक्टर शाहीन से बताया जा रहा है। छापे के वक्त घर में कोई मौजूद नहीं था। पड़ोसियों के अनुसार, परवेज़ रात में घर आता था और सुबह निकल जाता था। वह मुतक्कीपुर में किराए के मकान में रहता था और मस्जिद में नमाज़ पढ़ते हुए कई बार स्थानीय लोगों से मिला था।

सीसीटीवी फुटेज ने खोले कई राज

फिदायीन डॉक्टर उमर का कटा हाथ मिला

नई दिल्ली

बीती रात सोमवार को दिल्ली धमाके के बाद पूरे देश में हाई अलर्ट है। जगह जगह सुरक्षा बल तलाशी ले रहे हैं। धमाके की जांच चल रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इन फुटेजों में ऐसे कई राज मिले हैं जो जांच को गति और सही दिशा देने वाले साबित हो सकते हैं। एजेंसियों को अब तक की जांच में जो सबसे बड़ा क्लू मिला है उसके आधार पर यह कहा जा रहा है कि यह हमला फरीदाबाद के रेडिकल नेटवर्क 'फरीदाबाद मॉड्यूल' से जुड़ा हुआ है। सीसीटीवी फुटेज और फोरेंसिक सबूतों से संदिग्ध सुसाइड बॉम्बर के रूप में फरीदाबाद के डॉक्टर उमर उनबी की पहचान हुई है। ब्लास्ट स्थल से बरामद एक कटा हुआ हाथ डॉक्टर उमर का ही माना जा रहा है, जिसकी डीएनए जांच के लिए कश्मीर में उनके परिवार के सैंपल लिए जा रहे हैं।बता दें कि दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार शाम को हुए कार ब्लास्ट ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। एक धीमी गति से चल रही हुंडई आई 20 कार में भयानक विस्फोट में नौ लोग मारे गए और 20 से अधिक घायल हो गए।

फुटेज में एक नीले शर्ट वाले व्यक्ति को कार के पास देखा गया, जो उमर ही माना जा रहा है। यह इमेज ब्लास्ट से ठीक पहले की बताई जा रही है। फोरेंसिक टीम ने ब्लास्ट साइट से बरामद कटे हुए हाथ को कार ड्राइवर का बताया है, जो उमर का हो सकता है। कश्मीर में उसके परिवार के डीएनए सैंपल लिए जा रहे हैं ताकि पहचान पक्की हो सके। यह खुलासा दिल्ली-एनसीआर और जम्मू-कश्मीर में चल रही व्यापक जांच का हिस्सा है। सूत्रों के अनुसार उमर एक ग्रुप ऑफ मेडिकल प्रोफेशनल्स का हिस्सा था, जो एन्क्रिप्टेड टेलीग्राम चैनलों के जरिए रेडिकलाइज्ड हो चुके थे। इस 'फरीदाबाद मॉड्यूल' में डॉक्टर अदील का नाम भी प्रमुखता से आ रहा है, जो उमर का करीबी सहयोगी है। अदील भी जांच के दायरे में है। मॉड्यूल के सदस्यों ने मेडिकल प्रोफेशन की आड़ में आतंकी गतिविधियों को अंजाम दिया, जिसमें विस्फोटक जुटाना और नेटवर्क बनाना शामिल था। फरीदाबाद पुलिस ने हाल ही में इस मॉड्यूल पर छापेमारी की थी, जिसके बाद उमर फरार हो गया। सूत्रों के मुताबिक कार में भारी मात्रा में विस्फोटक

लदा था, जो संभवतः ड्राइवर द्वारा ही ट्रिगर किया गया। विस्फोट इतना जोरदार था कि कार के परखचे उड़ गए और आसपास के वाहनों व पैदल यात्रियों को भारी नुकसान पहुंचा। घटनास्थल पर पहुंची दिल्ली पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, लेकिन मौतों की संख्या 13 तक पहुंच गई। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां कई की हालत गंभीर बनी हुई है। दिल्ली पुलिस ने पूरे शहर में हाई अलर्ट जारी कर दिया है, जबकि सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा से हमलावर की पहचान तेजी से हुई।

मित्र शक्ति-2025: भारत-श्रीलंका संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

बेलगावी

भारत और श्रीलंका के बीच 11वां संयुक्त सैन्य अभ्यास ÷मित्र शक्ति-2025÷ आज कर्नाटक के बेलगावी स्थित फॉरेन ट्रेनिंग नोड में शुरू हो गया। 10 से 23 नवंबर तक चलने वाले इस अभ्यास में भारत से राजपूत रेजिमेंट के 170 सैनिक और श्रीलंका से गजाबा रेजिमेंट के 135 जवान हिस्सा ले रहे हैं। दोनों वायुसेनाओं से 30 अधिकारी-कर्मी जुड़े हैं। अभ्यास का मुख्य उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र अध्याय 7 के तहत सब-कन्वेंशनल ऑपरेशंस, खासकर आतंकवाद-रोधी कार्रवाइयों में समन्वय बढ़ाना है। सैनिक छापेमारी, सर्च एंड डेस्ट्रॉय मिशन, हेलिबोर्न ऑपरेशन का अभ्यास करेंगे। आर्मी मार्शल आर्ट्स, कॉम्बैट रिफ्लेक्स शूटिंग और योग भी शामिल हैं।

श्रीलंका की गजाबा रेजिमेंट अनुराधापुरा के निकट सालियापुरा में स्थित है। 1980 में 100 एकड़ पर शुरू हुई यह इकाई राजराटा राइफल्स और विजयबाहु इन्फेंट्री की पहली बटालियनों के विलय से 1982 में बनी। शुरू में 30 सैनिकों से आरंभ होकर यह श्रीलंका की सबसे बहादुर रेजिमेंट बनी, जिसने देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत की राजपूत रेजिमेंट 1778 में स्थापित सबसे पुरानी पैदल सेना इकाई है। ÷वीर भोग्या वसुंधरा÷ इसका आदर्श वाक्य है। 1947, 1965, 1971 के युद्धों और कारगिल संघर्ष में इसने अद्वितीय

शौर्य दिखाया। कठोर अनुशासन, प्रशिक्षण और राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत राजपूत सैनिक रेगिस्तान से हिमालय तक हर चुनौती के लिए तैयार रहते हैं। इस बार अभ्यास में ड्रोन, काउंटर-यूएएस सिस्टम का संचालन, हेलिपैड सुरक्षा, घायल निकासी और आपात समन्वय पर जोर है। आधुनिक तकनीकें दोनों सेनाओं की क्षमता बढ़ाएंगी।

मित्र शक्ति से सैन्य सामंजस्य, रणनीति साझेदारी और अनुभव आदान-प्रदान मजबूत होगा। आतंकवाद- रोधी दक्षता बढ़ेगी, आत्मविश्वास मजबूत होगा। यह अभ्यास भारत-श्रीलंका रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई देगा, पड़ोसी देशों के बीच विश्वास और मित्रता को सुदृढ़ करेगा।

दो दिनी यात्रा के लिए पीएम मोदी भूटान रवाना, 1 हजार करोड़ की देंगे सौगात

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मंगलवार से अगले दो दिनों तक भूटान पर रहेंगे। उनका भूटान दौरा 11 और 12 नवंबर को है, जिस दौरान वे अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस यात्रा का मकसद भारत-भूटान के बीच दोस्ती और साझेदारी को मजबूत बनाना है।

पीएम मोदी अपने इस आधिकारिक दौरे में भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक के 70वें जन्मदिन समारोह में शामिल होंगे, साथ ही उनके साथ मिलकर 1020 मेगावाट के पुनातसंगचू-2 हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट का उद्घाटन भी करेंगे। पीएम मोदी भूटान को 1000 करोड़ की सहायता राशि भी देने वाले हैं और वे ग्लोबल पीस प्रेयर फेस्टिवल में भी शामिल होंगे। पीएम मोदी ने खुद अपने भूटान रवाना होने की जानकारी आधिकारिक एक्स अकाउंट से दी।

पीएम मोदी की पिछले 11 साल में ये चौथी भूटान यात्रा है, जिससे समझा जा सकता है कि भारत के लिए भूटान से रिश्ते कितने महत्वपूर्ण हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 नवंबर को भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक से मिलेंगे और आज ही वे हाइड्रो प्रोजेक्ट का भी उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे उनके जन्मदिन समारोह में शामिल होंगे और ग्लोबल पीस प्रेयर फेस्टिवल में हिस्सा लेंगे। यात्रा के दूसरे दिन यानि 12 नवंबर को पीएम मोदी भूटान के पीएम त्सेरिंग टोबगे से मुलाकात करेंगे।

ऊर्जा, रेल, सड़क कनेक्टिविटी और विकास परियोजनाओं पर चर्चा करेंगे। भूटान की 13वी पंचवर्षीय योजना के सहयोग पर भी दोनों देशों के बीच बातचीत होगी।

आतंकी कनेक्शन यूपी से जुड़ा, सीएम योगी ने दिए सख्त आदेश

लखनऊ

लखनऊ दिल्ली में हुए धमाके के बाद जांच एजेंसियों की नजर अब उत्तर प्रदेश पर भी टिक गई है। आतंकी नेटवर्क के तार लखनऊ और लखीमपुर तक जुड़ते दिखाई दे रहे हैं। अहमदाबाद से गिरफ्तार तीन संदिग्धों में एक लखीमपुर के निघासन इलाके का रहने वाला है, जबकि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लखनऊ की रहने वाली महिला डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों के बीच मिली कड़ियों ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। जांच एजेंसियों का मानना है कि हाल के महीनों में उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों से आतंकी संगठनों ने अपनी जड़ें फैलाने की कोशिश की है। सीमावर्ती जिलों जैसे लखीमपुर, सिद्धार्थनगर और श्रावस्ती पर विशेष नजर रखी जा रही है। सूत्रों का कहना है कि इन इलाकों में कुछ कट्टरपंथी तत्व युवाओं को बरगलाकर ऑनलाइन माध्यम से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

एटीएस ने अहमदाबाद से आईएसकेपी मॉड्यूल से जुड़े तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया। इनमें से एक आरोपी मोहम्मद सोहेल, लखीमपुर खीरी जिले के निघासन तहसील के सिंगाही थाना क्षेत्र के झाला गांव का रहने वाला है। सोहेल के परिवार के मुताबिक, वह तीन साल पहले मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना कस्बे में जामिया दारुल

उलूम अजीजिया नामक मदरसे में हाफिज की पढ़ाई करने गया था। सोहेल का परिवार गरीब है। पिता सलीम ट्रैक्टर मैकेनिक हैं। घर में मां रुखसाना, छोटे भाई वसीम और बड़े भाई की पत्नी रहती हैं। बड़ा भाई सुम्मी तमिलनाडु में कपड़ा फैक्ट्री में काम करता है। तीन साल पहले सोहेल के एक भाई की करंट लगने से मौत हो चुकी है।

दिल्ली विस्फोट के बाद हाई अलर्ट पर मुंबई, पुलिस ने महत्वपूर्ण स्थानों पर गहन जाँच की

मुंबई

सोमवार शाम नई दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट के बाद मुंबई में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। मुंबई पुलिस ने तुरंत अपने सभी सिस्टम को तैयार कर लिया है और महत्वपूर्ण स्थानों पर गहन जाँच शुरू कर दी है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई को हमेशा से ही आतंकवादी हमलों का निशाना माना जाता रहा है। इसलिए, दिल्ली विस्फोट के बाद मुंबई में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी गई है। आपको बता दें कि सोमवार शाम करीब 6.45 बजे लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास खड़ी एक कार में जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट इतना तीव्र था कि आसपास का इलाका दहल गया और तीन अन्य वाहनों में आग लग गई। दिल्ली विस्फोट की सूचना मिलते ही मुंबई में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चर्चगेट, दादर, बांद्रा टर्मिनस जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर बम निरोधक टीमों के साथ दंगा नियंत्रण दल तैनात किए गए हैं। यहाँ यात्रियों के बैग और वाहनों की गहन जाँच की जा रही है। सीएसएमटी इलाका अब पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है।

शहर के धार्मिक स्थलों, बाज़ारों, होटलों, मॉल और अन्य भीड़-भाड़ वाली जगहों पर पुलिस की पैनी नज़र है। मुंबई पुलिस की विशेष शाखा ने अलग-अलग इलाकों में गश्त बढ़ा दी है और लगातार गश्त कर रही है। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

साथ ही, संवेदनशील इलाकों में क्यूआरटी (क्विक रिस्पांस टीम) को तैयार रखा गया है। मुंबई पुलिस ने नागरिकों से विशेष अपील की है कि अगर उन्हें ट्रेन, बस स्टैंड, बाज़ार या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कोई भी संदिग्ध वस्तु, बैग या व्यक्ति दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

उनसे पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 100 या स्थानीय पुलिस स्टेशन पर संपर्क करने की अपील की गई है। पुलिस ने कहा, आपकी सतर्कता ही हमारी ताकत है।

ट्रंप की सख्ती का तोड़ निकालने में जुटे भारत-रूस

कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए नए रास्ते की तलाश

नई दिल्ली

रूस, भारत के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति में एक भरोसेमंद सहयोगी है। यह कहना है रूस के भारत में राजदूत डेनिस अलीपोव का है।

उन्होंने बताया कि रूस भारत को सबसे अच्छी कीमत और गुणवत्ता वाले तेल के विकल्प दे रहा है। अलीपोव ने बताया कि दोनों देश रूस पर लगे एकतरफा प्रतिबंधों के बावजूद तेल व्यापार जारी रखने का रास्ता निकालने में जुटे हैं।अलीपोव ने बताया कि रूस हाल ही में भारत का एक बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है। अब भारत जितना भी कच्चा तेल आयात करता है, उसका एक तिहाई से ज्यादा हिस्सा रूस से आता है।

उन्होंने कहा कि रूस एक भरोसेमंद साथी है जो भारत को अच्छी कीमत और क्वालिटी का तेल दे रहा है। उन्होंने कहा, हमारी यह साझेदारी भारत की जरूरतों को पूरा कर ऊर्जा क्षमता को बढ़ाती है। भले ही अतीत में हमारी साझेदारी को तोड़ने की कई कोशिशें हुई हों, लेकिन हम मिलकर नए रास्ते जरूर निकल लेने वाले है।

हमें यकीन है कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा को लेकर बातचीत जारी रहेगी, जिससे हमारे मित्र देशों के लोगों को फायदा होगा। रुसी राजदूत का यह बयान तब सामने आया हैं जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार दावा करते हैं कि भारत ने रूस से तेल का आयात कम किया है।

ट्रंप प्रशासन ने रूस की दो बड़ी ऊर्जा कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। उनका कहना है कि ये कंपनियां रूस के युद्ध के लिए पैसा जुटा रही हैं।

जब अलीपोव से भारत-रूस संबंधों पर प्रतिबंधों के असर के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने कहा,अवैध एकतरफा प्रतिबंध आर्थिक विकास में बाधा डालते हैं, आम नागरिकों को नुकसान पहुंचाते हैं और सप्लाई चेन को तोड़ देते हैं।

भारत ने आधिकारिक तौर पर

पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का समर्थन नहीं किया है। हालांकि, कई भारतीय कंपनियां, जो खासकर यूरोप और उत्तरी अमेरिका के बाजारों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, वे रूसी कंपनियों के साथ खुलकर व्यापार करने में सावधानी बरत रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

युवाओं को प्रेरित करती लड़कियों की सफलता

उत्कृष्टता के प्रति एकनिष्ठ समर्पण ने हमारी लड़कियों को बाधाओं को पार करने में सक्षम बनाया। होशियारपुर से सहजलदीप कौर का एनडीए की मेरिट में स्थान पाना और महिला क्रिकेट टीम द्वारा विश्व कप जीतना युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।...

उत्कृष्टता के प्रति एकनिष्ठ समर्पण ने हमारी लड़कियों को बाधाओं को पार करने में सक्षम बनाया। होशियारपुर से सहजलदीप कौर का एनडीए की मेरिट में स्थान पाना और महिला क्रिकेट टीम द्वारा विश्व कप जीतना युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। सफलता के लिए कर्ज लेकर विदेश जाना जरूरी नहीं। सरकार व उद्योग प्रतिभा को पहचानें, देश में रोजगार पैदा करें।

मैं द ट्रिब्यून के 18 अक्तूबर, 2025 अंक में छपी एक खबर का अंश उद्धृत करना चाहूंगा ः 'होशियारपुर से 30 किलोमीटर दूर चोटाला गांव के एक छोटे किसान की बेटी सहजलदीप कौर ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी की मेरिट सूची में 13वां स्थान पाया, जिससे वह अपने गांव का गौरव और असंख्य ग्रामीण लड़कियों के लिए आशा की किरण बन गई'। पढ़ाई ग्रामीण स्कूलों में हुई और मोहाली स्थित माई भागो सशस्त्र बल तैयारी संस्थान में ट्रेनिंग ली।

जब मैं ये लेख लिखने बैठा, तभी भारतीय महिला क्रिकेट टीम द्वारा विश्व कप जीतने की खबर आई। इस टीम में पंजाब, हरियाणा और हिमाचल की करीब पांच ग्रामीण लड़कियां हैं। मेरी राय में, वे न केवल शेष ग्रामीण लड़कियों के लिए, बल्कि लड़कों के लिए भी आशा की किरण हैं। निचले आर्थिक तबके की ये लड़कियां, जिनके माता-पिता कभी क्रिकेट पिच के पास तक नहीं गए होंगे, खेलना तो दूर की बात, उन्होंने साबित कर दिया कि उत्कृष्टता के प्रति समर्पण शॉर्टकट तलाशे बिना, गरीबी से उबरने में सक्षम बनाता है। स्व-प्रेरित, अधिकांशतः स्व-शिक्षित, माता-पिता का प्रोत्साहन व आगे उनके खेल कौशल को मान्यता और पेशेवर कोचिंग का साथ मिला।

ये लड़कियां साबित करती हैं कि बिना किसी महंगे स्कूल के भी यह संभव है, कि विदेश जाने की मृगतृष्णा में पढ़ाई छोड़ना ज़रूरी नहीं, ज़मीन बेचकर या पैसे उधार लेकर (40-50 लाख रुपये),कोई 'डंकी' रूट लेने और कहीं राह में सड़ने-मरने की ज़रूरत नहीं।

पुराने दिन चले गए,पश्चिम को अब सस्ते विदेशी श्रम, आईटी और इंजीनियरिंग पेशेवर, या कहें कि छात्रों की और ज़रूरत नहीं। यह बात अमेरिका द्वारा अपनी व्यापार नीतियों, पेशेवरों और छात्रों के लिए नई वीज़ा नीतियों और अवैध प्रवासियों पर बढ़ते संरक्षणवादी रुख से जाहिर हैं। नौकरियां देने से मना किया जा रहा या उन्हें नागरिकता स्टेटस से जोड़ दिया है। नस्लवाद भी भयावह रूप में है, जिसमें रेप, शारीरिक-मौखिक दुर्व्यवहार और हत्या तक की घटनाएं हो रही हैं। सड़कों पर, अपनी दुकानों के सामने या घरों में, अप्रवासियों को कई रूपों में नफ़रत झेलनी पड़ रही। यह प्रवृत्ति अमेरिका तक सीमित नहीं; ब्रिटेन व यूरोप के कुछ हिस्सों और ऑस्ट्रेलिया में भी दक्षिणपंथी विचारधारा खुलकर सामने आ रही है।

इसके कई कारण हैं ः (क) उनकी अपनी अर्थव्यवस्था की गति धीमी पड़ना और चीन एवं उसकी औद्योगिक ताकत के उदय से मिलती कड़ी चुनौती; (ख) प्रौद्योगिकीय प्रगति व एआई के आगमन ने ऑटोमेशन और कंप्यूटिंग को जन्म दिया, जिससे सस्ते विदेशी श्रम और तकनीकी विशेषज्ञों की ज़रूरतें कम हो रही। एक नया बदलाव घेर रहा है जिसका रोज़गार पर पूरा असर अभी देखना-समझना बाकी है। बहुत कुछ बदलेगा, क्योंकि इस उथल-पुथल के मूल में यही है।

पश्चिम का संदेश स्पष्ट है - 'घर जाओ'। सवाल है- इस नए युग के आगमन में भारत कहां खड़ा है? गत वित्त वर्ष में भारत को 135.46 अरब डॉलर की विदेशी धनराशि प्राप्त हुई (द टाइम्स ऑफ इंडिया, जून 2025), लगभग 10 वर्ष हम लगातार सर्वाधिक विदेशी मुद्रा प्राप्त करने वाला मुल्क बने रहे। लगभग 150 करोड़ की आबादी वाला यह देश, जो दुनिया में सर्वाधिक आबादी वाला राष्ट्र है, जहां लगभग 6 प्रतिशत लोग अत्यधिक गरीबी में गुजारा करते हैं और करीब 13 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं, और उच्च शिक्षा प्राप्त स्नातकों में तो यह आंकड़ा बढ़कर 29 प्रतिशत हो गया है (विश्व बैंक के अनुसार), उसके सामने भारी चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं।

पिछले तीन दशकों में हमारी आर्थिक प्रगति में बड़ा बदलाव आया और भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकॉनोमी बन गई। गरीबी के स्तर में उल्लेखनीय गिरावट आई, फिर भी मध्यम आय वाला राष्ट्र बनने के लिए हमें अभी बहुत कुछ करना है, उच्च आय राष्ट्र बनने की तो बात छोड़ दें। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले 6 प्रतिशत नागरिकों का करीब 9 करोड़ लोग बन जाता है; यह ऑस्ट्रेलिया और कनाडा की साझी आबादी से ज्यादा है। विश्व बैंक वर्तमान में हमें अंगोला, घाना, म्यांमार, कंबोडिया आदि के साथ रखकर निम्न-मध्यम आय वाला देश मानता है।

यह कहना पर्याप्त है कि एक राष्ट्र के रूप में, हमें समान विकास सुनिश्चित करने के लिए ढेरों नौकरियां पैदा करने की जरूरत है। सवाल है- जैसे-जैसे पश्चिम अपने द्वार बंद कर रहा है और भारत में युवा बेरोजगारी दर हमें परेशान कर रही है, इसका हल कैसे होगा? माना जाता है कि इतनी विशाल आबादी का फायदा अधिक श्रमबल पास होने के रूप में हो सकता है, लेकिन अगर युवाओं को शिक्षित, प्रेरित और राष्ट्र-विकास में शामिल नहीं किया तो यह किसी काम का नहीं। खतरा यह कि यहां स्वदेश में बेरोजगार और विदेशों से निर्वासित युवा, हमारी सबसे बड़ी समस्या बन सकते हैं। दशकों से हम श्रम व प्रतिभा का निर्यात करते आए हैं क्योंकि हमारे पास दोनों प्रचुर हैं। दुनिया ने अपनी ज़रूरत के समय इसका पूरा लाभ लिया और इसकी बदौलत कई परिवारों ने अपने हालात सुधारे, लेकिन आगे क्या?

अजीब बात कि हमारी सरकारें और विपक्ष यह बर्बादी देखकर भी चुप हैं। अमेरिका, यूरोप या कनाडा के साथ जारी व्यापार वार्ताओं में इसका कोई ज़िक्र नहीं। विदेशों से पैसा आना न केवल भारतीय प्रवासियों के स्वदेश वासी परिवारों के लिए अहम है, बल्कि हमारे व्यापार संतुलन घाटे की भरपाई में भी सहायक है (बीते वित्त वर्ष में 300 अरब डॉलर के माल व्यापार घाटे की लगभग आधी क्षतिपूर्ति इससे हुई) और यह विदेशी मुद्रा के अहम स्रोत के रूप में कार्य करता है जो चालू खाते की मजबूती में सहायक है।

सभी दलों के नेतृत्व का ध्यान सत्ता हासिल करने के लिए मतदाताओं को खैरातें व रियायत रूपी अपरोक्ष रिश्वत देने पर केंद्रित है। कोई भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा या सुशासन देने की बात नहीं करता। जैसे-जैसे हमारे शहर विस्तारित हो रहे हैं, प्रदूषण व कचरे का ढेर भी बढ़ता जा रहा, और बेरोज़गारी बढ़ने से आय असमानता भी बढ़ती है। मुझे ओलिवर गोल्डस्मिथ की पंक्तियां याद आ रही हैं, 'दुर्दशा देश के लिए अभिशाप है, दुर्दशा शीघ्र बनाना मतलब लोगों का शिकार, धन-संपदा जब चंद हाथों में हो, आम आदमी की क्या बिसात'। कहीं ऐसा न हो कि हमें हताश लोगों की अचानक बाढ़ का सामना करना पड़े, जो बेरोज़गारों की संख्या और बढ़ाएगी। केंद्र और राज्य सरकारों को इस समस्या का गंभीरता से आकलन करना होगा, उन्हें पुनर्स्थापित करने के तरीके विकसित करने होंगे। सरकार को निजी क्षेत्र से मिलकर रोज़गार के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करने हेतु आकस्मिक योजना बनानी चाहिए, क्योंकि अगर हम आज बड़े पैमाने पर इसका हल नहीं करते, तो देश को उथल-पुथल का सामना करना पड़ेगा।

अधिकांश अतिवादी आंदोलनों की जड़ें इसी समस्या में होती हैं। खैरातें और चुनावी रियायतें इसका हल नहीं बल्कि रोज़गार है। क्या सरकार के पास इसे उत्पन्न करने की दूरदर्शिता और इच्छाशक्ति है? युवा तकनीक

की बदौलत अपने परिवेश और दुनिया के दूर-दराज़ के इलाकों में हो रहे विकास के प्रति जागरूक हैं। वे जानते हैं उनके देश का प्रदर्शन उन्नत देशों की तुलना में कहां खड़ा है और उनसे कैसा बर्ताव किया जा रहा। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि में लहर बदल रही। यह हमारी उम्मीद से पहले चरम पर होगी।

सहजलदीप और भारतीय क्रिकेट टीम की लड़कियों ने अपने दृढ़ निश्चय और मेहनत का रास्ता दिखाया है। अपना लक्ष्य पाने की आज़ादी दी जाने पर, इन्होंने आगे बढ़ अपने समकालीनों को उम्मीद की किरण दिखाई। इस राह पर चलना आसान नहीं। युवा उनके उदाहरण से सीखें, गरीब किसान अपने बच्चों की गतिविधियों में सहयोग करना सीखें, सरकार और उद्योग प्रतिभा को पहचानें, इस प्रतिभा को स्वदेश में बनाए रखने और विकसित करने के तरीके खोजने चाहिए। हमें अपनी पिछली, वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए यह करना ही होगा। उन्हें निराश न करें।

इतिहास यह नहीं गिनेगा कि हमने कितने चुनाव-उपचुनाव जीते - वह हमें इस आधार पर आंकेगा कि हमने अपने मानव संसाधनों का विकास कैसे किया।

लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर में पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

संपादकीय

फिर दहली दिल्ली

सोमवार की शाम दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में हुए धमाके में कुछ अनमोल जिंदगियों का खत्म होना बेहद दुखद है। काफी संख्या में लोगों के घायल होने की भी खबरें हैं। धमाके के बाद आसपास के कई वाहनों में लगी आग पर काबू पाने में अग्निशमन दल को खासी मशक्कत करनी पड़ी। पहली नजर में पुलिस इसे आतंकी घटना मानकर चल रही है। इसे संयोग मानें या दुर्योग कि आतंकवादियों के किसी भीड़-भाड़ वाले स्थान को निशाने बनाने से पहले कार में ही धमाका हो गया। देश की केंद्रीय एजेंसियां आतंकवादियों की साजिश को बेनकाब करने में जुटी हैं। पहले फरीदाबाद में कई जगह से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री की बरामदगी और फिर दिल्ली में धमाके का एक दिन होना, निस्संदेह किसी बड़ी साजिश की आशंका की ओर इशारा कर रहा है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा स्थित फरीदाबाद के फतेहपुर तगा गांव में राज्य और जम्मू एवं कश्मीर पुलिस की साझा रेड में करीब तीन हजार किलो से अधिक विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ था। इस मामले में गिरफ्तार दो आरोपी कश्मीरी मूल के बताए जाते हैं। इससे पहले रविवार को गांव के एक कमरे से 360 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद होने की बात कही जा रही है। कल पुलिस ने दूसरे घर से 2,563 संदिग्ध विस्फोटक की बरामदगी की है। बताया जाता है कि एक मौलाना ने यह घर एक डॉ. मुजामिल ने किराये पर लिया हुआ था। पुलिस तफ्तीश में जुटी है कि इस विस्फोटक का कहां इस्तेमाल किया जाना था और क्या इनके किसी आतंकी संगठन से तार जुड़े हैं। पुलिस का दावा है कि डॉक्टर के फरीदाबाद स्थित ठिकाने से अधिकारियों ने अमोनियम नाइट्रेट और अन्य रासायनिक पदार्थों सहित आईईडी बनाने की सामग्री का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। जाहिर है, देश के भीतर बड़ा आतंकी हमला करने की साजिश रची जा रही थी। इस मामले में मिल रही चौंकाने वाली जानकारी इसी ओर संकेत कर रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस दावा कर रही है कि उसने विभिन्न क्षेत्रों में पेशेवर चिकित्सकों के एक कट्टरपंथी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। आधिकारिक सूत्र दावा कर रहे हैं कि इस साजिश का खुलासा उस समय हुआ जब श्रीनगर के नोगाम इलाके में एक पोस्टर लगा दिखा, जिसमें दुकानदारों को केंद्रीय एजेंसियों से लेन-देन न करने की चेतावनी दी गई थी। बताया जाता है कि सीसीटीवी फुटेज में पोस्टर लगाने वाले जिस व्यक्ति की शिनाख्त हुई, वह सहारनपुर में कश्मीरी मूल का डॉक्टर अदील निकला। पूछताछ में उसके श्रीनगर में कुछ अन्य डॉक्टरों से संबंधों का खुलासा हुआ। डॉ. अदील की गिरफ्तारी के बाद फरीदाबाद में डॉ. मुजामिल सहित अन्य डॉक्टरों की पहचान हुई। बताते हैं कि फरीदाबाद स्थित एक क्लीनिक से ही बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुए। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि मानवता की सेवा की शपथ लेकर चिकित्सा के पेशे में आने वाले लोग कैसे कट्टरपंथ के चलते लोगों की जिंदगी छीनने वाले खौफनाक खेल का हिस्सा बन गए। जाहिर है, इस मॉड्यूल का मकसद देश के विभिन्न हिस्सों में धमाकों के जरिये दशहत फैलाना ही रहा होगा। निश्चय ही बड़ी मात्रा में विस्फोटकों की बरामदगी तथा आईईडी बनाने के सामान बरामद होना किसी बड़ी साजिश की ओर ही इशारा कर रहा है।

हर सांस मायने रखती हैः निमोनिया को उसके रास्ते पर रोकें

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

(विश्व निमोनिया दिवस 12 नवंबर 2025)

निमोनिया के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 12 नवंबर को विश्व निमोनिया दिवस मनाया जाता है। निमोनिया स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालता है। यह दुनिया भर में बच्चों और वृद्धों में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। बहुत से लोग अभी भी पूरी तरह से नहीं समझ पाए हैं कि यह कितना खतरनाक हो सकता है या इससे कैसे बचा जा सकता है। निमोनिया दिवस हमें लक्षणों के प्रति अधिक जागरूक होने, शीघ्र निदान को प्रोत्साहित करने, टीका लगवाने और अच्छी स्वच्छता बनाए रखने की याद दिलाता है। यह समय पर चिकित्सा सहायता की आवश्यकता पर भी प्रकाश डालता है क्योंकि अगर निमोनिया का इलाज न किया जाए तो यह जल्दी बिगड़ सकता है। निमोनिया अक्सर हल्का होता है पर बिगड़ने पर जानलेवा हो सकता है . who के अनुसार दुनिया भर में हर साल लगभग 127,000 लोग निमोनिया से मरते हैं। दुनिया भर में निमोनिया के कुल मामलों में भारत का योगदान 23% है।

विश्व निमोनिया दिवस 2025 एक स्वस्थ, निमोनिया मुक्त विश्व के लिए परिवारों, समुदायों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, संगठनों और सरकारों को एक साथ लाने के लिए मनाया जाता है। निमोनिया एक संक्रमण है जो फेफड़ों को प्रभावित करता है। यह वायुकोशों में द्रव या मवाद भर देता है, जिससे फेफड़ों का सामान्य रूप से काम करना मुश्किल हो जाता है। इससे आपके शरीर में प्रवेश करने वाली ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है। वायरस, बैक्टीरिया और कवक संक्रमण का कारण बन सकते हैं या पर्यावरणीय कणों के रूप में साँस के ज़रिए शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। इसके सामान्य कारणों में न्यूमोकोकस बैक्टीरिया शामिल हैं। इन्फ्लूएंजा वायरस, और अन्य श्वसन वायरस। निमोनिया हल्के से लेकर गंभीर तक हो सकता है, जो आपकी उम्र, रोग प्रतिरोधक क्षमता और समग्र स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। हालाँकि कई स्वस्थ वयस्क इलाज से ठीक हो जाते हैं, निमोनिया छोटे बच्चों, वृद्धों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों में यह बहुत गंभीर हो सकता है। यह निमोनिया दिवस क्यों महत्वपूर्ण है? क्योंकि निमोनिया अभी भी दुनिया भर में बड़ी संख्या में रोकी जा सकने वाली मौतों का कारण बनता है।

विश्व निमोनिया दिवस हमें हमेशा याद दिलाता है कि किसी भी व्यक्ति को ऐसी बीमारी से अपनी जान नहीं गँवानी चाहिए जिससे बचाव संभव हो। यह दिवस रोकथाम में मौजूद कमियों, को उजागर करता है द्य यह समाज और नेताओं को इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करता है, जनता को इस बारे में शिक्षित करना कि निमोनिया कितना गंभीर हो सकता है, जटिलताओं को रोकने के लिए शीघ्र चिकित्सा देखभाल को प्रोत्साहित करना द्य जिससे कई मामलों को रोका जा सकता है . अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और बेहतर उपचार का समर्थन करना . लोगों को हाथ धोने और धूम्रपान से बचने जैसे सरल कार्यों के बारे में याद दिलाने से जोखिम कम हो सकता है द्य यह दिन गलतफहमियों को दूर करने में भी मदद करता है। बहुत से लोग निमोनिया को सिर्फ एक बीमारी या ठंड समझते हैं लेकिन वास्तविक जोखिम को समझने से लोगों को लक्षणों को गंभीरता से लेने और समय पर देखभाल लेने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। विश्व निमोनिया दिवस 2025 की आधिकारिक थीम अभी तक घोषित नहीं की गई है। इस वर्ष के अंत में इसकी घोषणा होने की संभावना है। विश्व निमोनिया दिवस की थीम इस पर केंद्रित हैः शीघ्र उपचार के माध्यम से जीवन बचाना द्य हेल्थकेयर सिस्टम को मजबूत करना .

विश्व निमोनिया दिवस की स्थापना पहली बार 2009 में ग्लोबल कोलिशन अगेंस्ट निमोनिया द्वारा की गई थी। बाल निमोनिया हर साल निमोनिया से होने वाली लाखों रोकी जा सकने वाली मौतों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए। यह विश्व का ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित करने के लिए बनाया गया था कि निमोनिया पाँच साल से कम उम्र के बच्चों में, खासकर विकासशील देशों में, मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है।

समय के साथ, यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन और विश्व भर की स्वास्थ्य सेवा प्रणालियाँ सहित कई संगठन इस आंदोलन में शामिल हो गए।

निमोनिया के प्रमुख बचाव जैसे सामान्य बैक्टीरिया न्यूमोकोकस, हिब और इन्फ्लूएंजा से सुरक्षा प्रदान करते हैं, जो निमोनिया का कारण बन सकते हैं। स्तनपान और अच्छा पोषण शिशुओं के प्रतिरक्षा को मजबूत करता है। घर के अंदर के धुएं को कम करें और भारी बाहरी प्रदूषण के संपर्क में आने को सीमित करें। धूम्रपान से बचें, क्योंकि यह फेफड़ों की सुरक्षा को कमजोर करता है। साधारण हाथ धोने और बीमार होने पर घर पर रहने से इस बीमारी का प्रसार कम हो सकता है। अस्थमा और मधुमेह जैसी दीर्घकालिक बीमारियों का अच्छी तरह से प्रबंधन करें द्य यदि आवश्यक हो तो प्रदूषित या भीड़भाड़ वाले वातावरण में मास्क पहनें। छोटी-छोटी दैनिक आदतें फेफड़ों को स्वस्थ रखने में बड़ा अंतर ला सकती हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

मनोबल कम न हो

जीवन की जितनी अनिवार्य आवश्यकताएं हैं, वे वास्तविक समस्याएं हैं। कुछ समस्याएं हमारी काल्पनिक भी हैं। काल्पनिक समस्याएं भी कम भयंकर नहीं होती। वास्तविक समस्याएं बहुत थोड़ी हैं, गिनी-चुनी। किन्तु काल्पनिक समस्याओं का कहीं अंत नहीं है। इतनी जटिल समस्याएं जो प्रतिदिन हमारे सामने उभरती हैं। किस प्रकार काल्पनिक समस्याएं मनुष्य को सताती हैं, इसका एक उदाहरण है-

दो यात्री आमने-सामने ट्रेन में बैठे थे। ट्रेन में लड़ाई हो गई। लड़ाई का कारण, एक समस्या। समस्या काल्पनिक, केवल काल्पनिक। एक कहता है मुझे ठंड लग रही है और दूसरा कहता है मुझे गर्मी लग रही है। एक उठता है, खिड़की को बंद कर देता है। दूसरा उठता है खिड़की को खोल देता है। टी.टी. आया, यह अभिनय देखा और बोला, क्या तमाशा हो रहा है रेल में! चलती गाड़ी में क्या खेल खेला जा रहा है! एक ने कहा, हवा बहुत तेज चल रही है, मुझे ठंड लग रही है।

दूसरा कहता है, खिड़की बन्द हो जाती है, मुझे बहुत गर्मी लग रही है, परेशान हो रहा हूं। टी.टी. गया खिड़की के पास और जाकर देखा तो खिड़की का प्रेम तो है, लेकिन शीशा है ही नहीं। अब कैसे हवा लग रही है और कैसे गर्मी लग रही है? मात्र काल्पनिक समस्या।

हमारी दोनों प्रकार की समस्याएं हैं- काल्पनिक समस्याएं और यथार्थ समस्याएं। ये हमारे मनोबल को कमजोर करती हैं। जिस व्यक्ति का मनोबल कम होता है, वह व्यक्ति इस दुनिया में अपराधी का जीवन जीता है। दुर्बलता खुद एक अपराध है।

विचार मंथन

बिहार विधानसभा चुनाव और दिल्ली ब्लास्ट— संयोग?

(लेखक- सनत जैन)

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होना था, और ठीक उसके एक दिन पहले यानी 10 नवंबर को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के सामने हुए भयानक विस्फोट ने पूरे देश को दहला दिया। इस धमाके में 13 लोगों की मौत और दो दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने जनमानस को झकझोर कर रख दिया है। विस्फोट इतना तीव्र था कि मृतकों के शरीर के अंग कई मीटर दूर जाकर गिरे और पूरा इलाका धुएं से भर गया। इस हृदयविदारक घटना के तुरंत बाद जिस तरह से इसे बिहार विधानसभा चुनाव और संभावित धार्मिक ध्रुवीकरण से जोड़ा जाने लगा, उसने एक गंभीर राजनीतिक और सामाजिक बहस को जन्म दे दिया है। पिछले कुछ वर्षों में यह एक चिंताजनक प्रवृत्ति बन गई है, कि जब भी देश में कोई बड़ा चुनाव आता है, उसके आसपास किसी न किसी आतंकी हमले या विस्फोट की खबर सामने आती है। पुलवामा, पहलगाम, उरी या दिल्ली धमाका हर घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी, आरोप-प्रत्यारोप और ध्रुवीकरण का सिलसिला तेज़ हो जाता है। सवाल यह उठता है कि क्या ये घटनाएं महज संयोग हैं या फिर किसी सुनियोजित राजनीतिक और वैचारिक रणनीति का हिस्सा हैं? बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में जिन इलाकों में मतदान हुआ, वे सीमावर्ती क्षेत्र हैं और वहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या अधिक है। कुछ राजनीतिक विश्लेषक यह मानते हैं कि इस तरह की घटनाओं का उद्देश्य भय और अविश्वास का माहौल बनाकर मतदाताओं को प्रभावित करना हो सकता है। पहले चरण में भारी मतदान ने यह संकेत दिया था, कि जनता सरकार के खिलाफ नाराजगी जता रही है। ऐसे में दूसरे चरण की वोटिंग के ठीक एक दिन पहले दिल्ली में हुआ धमाका कई सवाल खड़े करता है। क्या यह मतदाताओं के रुझान को मोड़ने की कोशिश है? केंद्र सरकार के प्रति जनता का अविश्वास भी इन घटनाओं के बाद बढ़ा है। पिछले एक दशक में जितने भी बड़े आतंकी हमले हुए फिर चाहे वह पुलवामा से लेकर पहलगाम आतंकी हमला ही क्यों न हो, उनमें से किसी में भी सरकार जिम्मेदारी तय करने या दोषियों को सामने लाने में सफल नहीं रही। सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों से जवाबी कार्रवाई का दावा तो किया, लेकिन आज तक जनता को यह नहीं बताया गया कि इन हमलों के पीछे कौन थे और क्या कोई स्थायी परिणाम निकला। यही कारण है कि अब लोग इन घटनाओं को राजनीतिक दृष्टि से देखने लगे हैं।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अगले ही दिन भूटान रवाना होना भी सवालों के घेरे में है। विपक्ष इसे संवेदनहीनता करार दे रहा है। वहीं मीडिया का एक वर्ग घटना को आतंकी हमला घोषित कर भय का वातावरण बनाने में लगा रहा, जबकि सुरक्षा एजेंसियां अब तक चुप हैं।

इससे न केवल सरकार की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लग रहा है बल्कि संवैधानिक संस्थाओं पर भी अविश्वास बढ़ा है। देश में आज स्थिति यह है कि जनता अब संवैधानिक संस्थाओं, जैसे- चुनाव आयोग, सीबीआई, ईडी, यहां तक कि न्यायपालिका पर भी प्रश्न उठा रही है। विपक्ष यह आरोप लगा रहा है कि ये संस्थान सरकार के दबाव में काम कर रहे हैं। लोकतंत्र में ऐसी स्थिति अत्यंत खतरनाक होती है, क्योंकि जब जनता को अपनी ही संस्थाओं पर भरोसा न रहे, तो सामाजिक संतुलन बिगड़ना तय है। दिल्ली जैसे हाई सिक्योरिटी जोन में हुआ यह धमाका निश्चित रूप से सुरक्षा तंत्र की विफलता का प्रतीक है। यह सवाल उठता है कि जब राजधानी में इतने कड़े इंतज़ामों के बावजूद ऐसी वारदात हो सकती है, तो देश के अन्य हिस्से कितने सुरक्षित हैं?

बिहार चुनाव के दूसरे चरण के मतदान पर हालांकि इसका कोई तात्कालिक असर दिखाई नहीं दिया, लेकिन लोगों के बीच केंद्र सरकार के प्रति असंतोष बढ़ता जा रहा है। महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव के बीच अब भय और अविश्वास की राजनीति जनता को और अधिक विचलित कर रही है। केंद्र सरकार को चाहिए कि वह इस विस्फोट की निष्पक्ष जांच कराए और दोषियों को बेनकाब करे। साथ ही, यह सुनिश्चित करे कि सुरक्षा एजेंसियां किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित में काम करें। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो जनता का आक्रोश आने वाले दिनों में और स्पष्ट रूप से सामने आ सकता है। अब समय आ गया है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही इस बात पर विचार करें कि देश की राजनीति को भय और विभाजन की जगह विश्वास और जवाबदेही की दिशा में कैसे मोड़ा जाए। क्योंकि यदि यह अविश्वास और असुरक्षा का वातावरण यूं ही बढ़ता रहा, तो यह लोकतंत्र के लिए किसी विस्फोट से कम नहीं होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जापान के सॉफ्टबैंक ने एनवीडिया में अपने सभी शेयर बेचे

तोक्यो जापान की प्रौद्योगिकी कंपनी सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प ने एनवीडिया कॉर्प के सभी शेयर 5.83 अरब अमेरिकी डॉलर में बेचने की मंगलवार को जानकारी दी। कंपनी बयान के अनुसार सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प ने अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी एनवीडिया कॉर्प के अपने सभी शेयर 5.83 अरब अमेरिकी डॉलर में बेच दिए हैं। तोक्यो स्थित सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प ने साथ ही जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए उम्मीद से कहीं अधिक कमाई की सूचना भी दी।

एथर एनर्जी का घाटा घटा, राजस्व में तेजी

नई दिल्ली इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता एथर एनर्जी लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (30 सितंबर, 2025 तक) के वित्तीय परिणाम जारी किए। कंपनी ने बताया कि इस तिमाही में उसका घाटा 154.1 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 197.2 करोड़ रुपए के घाटे से कम है। कंपनी का परिचालन राजस्व 898.9 करोड़ रुपए रहा, जो पिछली तिमाही में 583.5 करोड़ रुपए था, यानी राजस्व में लगभग 54 फीसदी की वृद्धि हुई। हालांकि, इस दौरान कंपनी का कुल खर्च 1,094.8 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 796.1 करोड़ रुपए बढ़ा है। विश्लेषकों का कहना है कि राजस्व में तेजी और घाटे में कमी कंपनी की बिक्री सुधार और वित्तीय मजबूती की ओर संकेत देती है, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण अभी भी चुनौती है।

सोने का भाव 1,25,000 के पार, चांदी भी 1,55,000 के ऊपर

सोने में 1,177 रुपए की बढ़त, चांदी 1,052 रुपए चढ़ी

नई दिल्ली रेलू वायदा बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी के भावों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। निवेशकों की मजबूत खरीदारी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में सकारात्मक संकेतों के चलते दोनों की कीमतें ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रही हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 625 रुपये की तेजी के साथ 1,24,595 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। पिछला बंद भाव 1,23,970 रुपये था। इस समय सोना 1,25,147 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था, जो 1,177 रुपये की बढ़त दर्शाता है। दिन का उच्च स्तर 1,25,839 रुपये और निचला स्तर 1,24,595 रुपये रहा। इस साल सोने ने 1,31,699 रुपये का उच्चतम स्तर छुआ था। चांदी के वायदा भावों में भी तेजी का सिलसिला जारी है। एमसीएक्स पर दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 1,052 रुपये की बढ़त के साथ 1,54,743 रुपये प्रति किलो पर खुला और 1,55,400 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान चांदी ने दिन का उच्च स्तर 1,55,600 रुपये और निचला स्तर 1,54,600 रुपये छुआ। इस साल इसका उच्चतम स्तर 1,69,200 रुपये प्रति किलो रहा। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार (कॉमेक्स) में भी सोना और चांदी मजबूती के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोना 4,140.20 डॉलर प्रति औंस और चांदी 50.54 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रही है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ ही 88.53 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया बढ़त के साथ 88.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार अमेरिकी अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक स्थिति को लेकर चिंताओं से डॉलर में कमजोरी आई, जिससे रुपये को निचले स्तर पर समर्थन मिला। हालांकि घरेलू शेयर बाजारों के नरम रुख और विदेशी पूंजी की निकासी ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 88.79 पर खुला और कारोबार के दौरान 88.67 के उच्च स्तर तक पहुंचा। सोमवार को यह 88.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 99.65 पर आ गया। विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी निवेश प्रवाह और वैश्विक बाजार रुझान रुपये की आगे की दिशा तय करेंगे।

डिफेंस और टेक्नोलॉजी कंपनी में 60 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान

कंपनी के नेट प्रॉफिट में सितंबर तिमाही में 77 फीसदी का इजाफा हुआ

नई दिल्ली

शेरमा एसजीएस टेक्नालॉजी लिमिटेड के शेयरों में मंगलवार को 6 फीसदी की तेजी आई। बता दें कंपनी के नेट प्रॉफिट में सितंबर तिमाही में 77 फीसदी का इजाफा हुआ है। वहीं शेरमा एसजीएस टेक्नालॉजी लिमिटेड ने डिफेंस और टेक्नोलॉजी कंपनी में 60 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया है।

बीएसई में शेरमा एसजीएस टेक्नालॉजी लिमिटेड के शेयर मंगलवार को बीएसई में बढ़त के साथ 825.80 रुपए के लेवल पर खुला।

दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 6 फीसदी की तेजी के बाद 856 रुपए के लेवल पर पहुंचा। मंगलवार को कंपनी के शेयर 52 वीक हाई 873.80 रुपए के लेवल के करीब पहुंच गए हैं। बता दें इस कंपनी का 52 वीक लो लेवल 355.05 रुपए है। शेरमा एसजीएस टेक्नालॉजी लिमिटेड सितंबर तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 64 करोड़ का रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 36.20 करोड़ रुपए था। सालाना आधार पर कंपनी के प्रॉफिट में 77 फीसदी की तेजी आई है।

पिछले दिनों के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 21 फीसदी की तेजी आई। वहीं, 6 महीने में इलेकॉम इंटरग्रेटेड सिस्टम का स्टॉक का भाव 82 फीसदी बढ़ा है। बता दें 3 साल में इस कंपनी के शेयरों में 205 फीसदी की तेजी आई। सितंबर तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 37.60 फीसदी के इजाफे के बाद 1145.80 करोड़ रुपए रहा है।

रिलायंस एनयू ने 750 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना हासिल की

नई दिल्ली रिलायंस पावर की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी रिलायंस एनयू एनर्जीज ने एसजेवीएन से 750 मेगावाट क्षमता वाली नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना हासिल की है। यह परियोजना एसजेवीएन लिमिटेड की 1500 मेगावाट/6000 मेगावाट फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी (एफडीआरई) निविदा का हिस्सा है। परियोजना में 900 मेगावाट-पीक सौर ऊर्जा उत्पादन और 3,000 मेगावाट-घंटे बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली शामिल है। बैटरी 750 मेगावाट तक बिजली दो घंटे तक प्रदान कर सकती है, जिससे कुल उत्पादन 3,000 मेगावाट-घंटे तक पहुंचता है। इस हाइब्रिड प्रणाली से बिजली अधिकतम मांग के समय भी विश्वसनीय रूप से उपलब्ध होगी। रिलायंस एनयू एनर्जीज ने यह परियोजना 6.74 रुपये प्रति किलोवाट-घंटे की प्रतिस्पर्धी दर पर हासिल की है।

भारत में त्योहारों के दौरान अल्पकालिक और अस्थायी नौकरियों में जोरदार उछाल

सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई

मुंबई अगस्त से अक्टूबर 2025 के बीच भारत में भर्ती गतिविधियों में सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उपभोक्ता विश्वास में सुधार, आकर्षक त्योहारी ऑफ़र और भौगोलिक विस्तार इसके प्रमुख कारण रहे। कार्यबल समाधान प्रदाता एडेको इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की तुलना में इस वर्ष अल्पकालिक (गिग) और अस्थायी नौकरियों में 25 प्रतिशत का उछाल देखा गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि दशहरा से पहले और उसके बाद के हफ्तों में खुदरा, ई-कॉमर्स, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं, लॉजिस्टिक्स और आतिथ्य क्षेत्रों में अस्थायी कर्मचारियों की मांग तेज रही। एडेको ने 2025 के लिए 2.16 लाख 'गिग' और अस्थायी नौकरियों का अनुमान लगाया था, लेकिन सिर्फ तीन महीनों में ही अस्थायी भर्ती में 37 प्रतिशत और 'गिग वर्कर' तैनाती में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। महिला कर्मचारियों की भागीदारी में 30-35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, खासकर खुदरा, ग्राहक सेवा, लॉजिस्टिक्स और वित्तीय सेवा क्षेत्रों में। महानगरों जैसे दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई में कुल भर्ती का 75-80 प्रतिशत हिस्सा रहा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 335 अंक, निफ्टी 120 अंक उछला

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी, मेटल और ऑटो सेक्टर उछले । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 335.97 अंक ऊपर आकर 83,871.32 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 120.60 अंक बढ़कर 25,694.95 पर पहुंचा। सेंसेक्स के शेयरों में बीईएल, एमएंडएम, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा, एलएंडटी, एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक उछले जबकि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, कोटक महिंद्रा बैंक, पावरग्रिड और टाटा स्टील के शेयर गिरे।

आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन मिलाजुला रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 302.75 अंक बढ़कर 60,427 और निफ्टी

स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 37.20 अंक टूटकर 18,101.40 पर था।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार उतार-चढ़ाव के साथ खुले। सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की तेजी के साथ 83,671 पर खुला। वहीं निफ्टी तेज शुरुआत के बाद 46.05 अंक टूटकर 25,526 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में मंगलवार को मजबूती छायी रही। जापान का निक्की 225 इंडेक्स 0.56 फीसदी ऊपर, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.24 फीसदी बढ़ा और हांगकांग का हांगसेंग 0.4 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। वॉल स्ट्रीट में सोमवार को एने विडिया और पलें टिर जैसी एआई कंपनियों में तेजी से अमेरिकी बाजारों को बल मिला। एसएंडपी 500 में 1.54 फीसदी, नेस्डेक में 2.27 फीसदी और डाओ जोंस में 0.81 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

अडाणी ग्रुप की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम सेक्टर में एंट्री, 2026 में होगा चालू

एनर्जी क्षमता 1,126 मेगावाट और एनर्जी स्टोरेज क्षमता 3,530 मेगावाट होगी

अहमदाबाद

अडाणी समूह ने मंगलवार को बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) सेक्टर में एंट्री का ऐलान किया है, जिसमें समूह 1,126 मेगावाट/3,530 मेगावाट-घंटे (एमडब्ल्यूएच) की क्षमता वाले प्रोजेक्ट को तैयार कर रहा है, जिसे मार्च 2026 तक चालू किया जाएगा। अडाणी समूह इस प्रोजेक्ट से 700 से ज्यादा बीईएसएस कंटेनर्स स्थापित करेगा, जो इसे भारत में सबसे बड़ा और दुनिया का सबसे बड़ा सिंगल-लोकेशन बीईएसएस प्रोजेक्ट बनाता है।

इस बीईएसएस प्रोजेक्ट की एनर्जी क्षमता 1,126 मेगावाट होगी और एनर्जी स्टोरेज क्षमता 3,530 मेगावाट होगी। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा कि एनर्जी स्टोरेज रिन्यूएबल एनर्जी के भविष्य की आधारशिला है। इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट के साथ हम न केवल वैश्विक मानक स्थापित कर रहे हैं, बल्कि भारत की एनर्जी स्वतंत्रता और स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी मजबूत कर रहे हैं। यह पहल हमें बड़े पैमाने पर विश्वसनीय, स्वच्छ और किफायती एनर्जी सॉल्यूशंस प्रदान करने में सक्षम बनाएगी।

इस रणनीतिक प्रवेश के साथ, अडाणी समूह बड़े पैमाने पर स्टोरेज इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश करने वाले ग्लोबल एनर्जी लीडर्स की श्रेणी में आ गया है। कंपनी ने कहा कि इस रणनीतिक पहल से भारत को एनर्जी सिक्योरिटी और 24 घंटे स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति तय करने में मदद मिलेगी। बीईएसएस पीक लोड दबाव को कम करने, ट्रांसमिशन कंजेशन को कम करने और सौर ऊर्जा कटौती को कम करने में अहम भूमिका निभाएगा, जिससे ग्रिड की विश्वसनीयता और दक्षता में सुधार होगा।

कई शहरों में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल, कई शहरों में गिरावट

उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़े

नई दिल्ली पेट्रोलियम कंपनियों ने मंगलवार को देश के प्रमुख शहरों में पेट्रोल और डीजल के नए रेट जारी किए। इस दौरान उत्तर भारत के कई शहरों में ईंधन महंगा हुआ, जबकि दक्षिण और कुछ पूर्वी राज्यों में कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़े हैं। गुरुग्राम में पेट्रोल 8 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए प्रति लीटर और डीजल 7 पैसे महंगा होकर 88.10 रुपए प्रति लीटर हो गया। जयपुर में पेट्रोल 68 पैसे बढ़कर 105.40 रुपए और डीजल 61 पैसे बढ़कर 90.82 रुपए प्रति लीटर हो गया। लखनऊ में पेट्रोल 5 पैसे और डीजल 6 पैसे बढ़कर क्रमशः 94.73 और 87.86 रुपए प्रति लीटर पर पहुंचा। पटना में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में क्रमशः 29 पैसे और 27 पैसे की बढ़ोतरी हुई। प्रयागराज में पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 1 रुपए महंगा हुआ। वहीं दक्षिण भारत और पूर्वी राज्यों में ईंधन सस्ता हुआ। तिरुवनंतपुरम में पेट्रोल 18 पैसे गिरकर 107.30 रुपए और डीजल 30 पैसे कम होकर 96.18 रुपए प्रति लीटर हो गया। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में पेट्रोल और डीजल दोनों 18 पैसे घटकर क्रमशः 100.93 और 92.51 रुपए प्रति लीटर पर आ गए।

फेंटेनाइल संकट पर चीन की बड़ी कार्रवाई, 13 रसायनों के निर्यात पर प्रतिबंध

दक्षिण कोरिया में शी चिनफिंग और डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात के बाद चीन ने लिया फैसला

वॉशिंगटन

चीन ने फेंटेनाइल जैसे खतरनाक सिंथेटिक ओपिओइड के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले 13 रसायनों के अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको को निर्यात पर सख्त प्रतिबंध लगा दिए हैं। ये रसायन वे प्रमुख घटक हैं जिनका दुरुपयोग अवैध दवा उद्योग में किया जा रहा है। अमेरिका में हर साल फेंटेनाइल की ओवरडोज़ से हजारों लोगों की मौत होती है, जिससे यह कदम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अहम माना जा रहा है। यह घोषणा दक्षिण कोरिया में हाल ही में हुई शी चिनफिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात के बाद आई है, जहां फेंटेनाइल संकट प्रमुख चर्चा का विषय था। मुलाकात के बाद ट्रंप ने कहा था कि चीन इस समस्या को खत्म करने में सहयोग करेगा और अमेरिका फेंटेनाइल से संबंधित शुल्क को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत करेगा। ब्लूकिंग्स इंस्टीट्यूशन की एक वरिष्ठ विशेषज्ञ के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने चीन से उसी तरह का सहयोग फिर से शुरू करने पर सहमति जताई है, जैसा 2024 के उत्तरार्ध में हुआ था। व्हाइट हाउस की उप प्रेस सचिव एन्ना केली ने कहा कि राष्ट्रपति ने अवैध मादक पदार्थों के प्रवाह को रोकने के लिए सीमा सुरक्षा से लेकर नौकाओं पर कार्रवाई तक

हर संभव कदम उठाए हैं। चीन के राष्ट्रीय मादक पदार्थ नियंत्रण आयोग ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर व्यवसायों से कर, सीमा शुल्क, इंटरनेट और विदेशी मुद्रा नियमों का पालन करने का आग्रह किया है।

भारत के रियल एस्टेट बाजार को लेकर रियल एस्टेट सलाहकार की सलाह जरुर पढ़े

नई दिल्ली

भारत के रियल एस्टेट बाजार में हाल के दिनों में तेज़ी दिखाई दी है, लेकिन अनुभवी सलाहकार और बाजार जानकार अतीत की गलतियों से सीखने की सलाह दे रहे है।

रियल एस्टेट सलाहकार का मानना है कि इस बुलेटप्रूफ़ दिखने वाली तेज़ी के पीछे छिपी अस्थिरता को नजरअंदाज नहीं कर सकते है। रियल एस्टेट सलाहकार चेतावनी देते हैं कि प्रॉपर्टी की कीमतें हमेशा नहीं बढ़तीं, और जापान, चीन और अमेरिका में पिछली दुर्घटनाएं साबित करती हैं कि जब बुनियादी सिद्धांत फिसलते हैं, तब क्या होता है। प्रॉपर्टी का मूल्य तभी बढ़ता है, जब आर्थिक स्थितियां उसका समर्थन करती हैं। वे बताते हैं, 1989 में, जापान का प्रॉपर्टी बाजार इतना तेज था कि टोक्यो के इम्पीरियल पैलेस के नीचे की जमीन की कीमत पूरे कैलिफ़ोर्निया से भी अधिक थी। फिर जापान में रियल स्टेट बाजार गिर गया। 2001 तक, ज़मीन की कीमतें 70 प्रतिशत तक गिर गई थीं।

जिन लोगों ने 1989 में सबसे ऊंचे दाम पर प्रॉपर्टी खरीदी थी, वे अभी भी घाटे में हैं। इस बात को 36 साल हो चुके हैं। लेकिन रियल एस्टेट सलाहकार का तर्क है कि भारत, फिलहाल, कुछ सही कारणों से अलग है। वह कहते हैं, भारत उन सभी जरूरी बातों पर खरा उतरता है। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 7.8 प्रतिशत बढ़ा। हमारे शहरी क्षेत्रों में 10 करोड़ से अधिक लोग जुड़ रहे हैं। ऑफिस की जगह की मांग और आपूर्ति का अनुपात 0.49 है। यानी हर 2 वर्ग फुट की मांग के लिए, हम सिर्फ़ 1 वर्ग फुट बना रहे हैं। यही बात मौजूदा समय को विकास के लिए सही बनाती है। फिर भी, रियल एस्टेट सलाहकार की चेतावनी बरकरार है।

कई बड़ी कंपनियां जल्द नई इलेक्ट्रिक एसयूवी करेगी लॉन्च

नई दिल्ली

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और इलेक्ट्रिक वाहनों की किफायती रनिंग कॉस्ट ने उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर्स की ओर आकर्षित किया है। यही वजह है कि भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। उपभोक्ताओं के रुझान को देखते हुए जल्द ही महिंद्रा, टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी और टोयोटा जैसी बड़ी कंपनियां अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने जा रही हैं, जो सिंगल चार्ज पर 500 किलोमीटर से अधिक की रेंज देने का दावा करती हैं। टाटा मोटर्स अपनी क्लासिक एसयूवी सिएरा को नए इलेक्ट्रिक अवतार में 25 नवंबर को पेश करने वाली है।

हालांकि, कंपनी पहले इसका पेट्रोल-डीजल वर्जन लाएगी और 2026 की शुरुआत में इसका इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च करेगी। इसमें डुअल बैटरी ऑप्शन और करीब 500 किलोमीटर की रेंज मिलने की उम्मीद है। वहीं, महिंद्रा अपनी एक्सयूवी700 के ऑल-इलेक्ट्रिक वर्जन एक्सईवी 9एस को 27 नवंबर को लॉन्च करेगी। यह कंपनी के नए इंग्लो प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी और इसके टॉप वैरिएंट की रेंज 500 किलोमीटर तक होगी। मारुति सुजुकी भी अगले महीने अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा लॉन्च करने जा रही है। गुजरात प्लांट में तैयार यह मॉडल 49 केडब्ल्यूएच और 61 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ 500 किलोमीटर से अधिक की रेंज देगी। इसमें पैनोरमिक सनरूफ, डिजिटल क्लस्टर और अडास जैसे फीचर्स होंगे। टोयोटा भी इसी प्लेटफॉर्म पर आधारित अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी अर्बन क्रूजर बीईवी लाने की तैयारी में है। जिसे 2026 की शुरुआत में लॉन्च किया जाएगा। उपभोक्ताओं के पास अब ज्यादा रेंज, आधुनिक फीचर्स और भरोसेमंद ब्रांड्स के कई नए विकल्प मौजूद होंगे ।

टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स 12 नवंबर को शेयर बाजार में होगी लिस्ट

कंपनी टी ग्रुप कैटेगरी में लिस्ट होगी, प्रत्येक शेयर की फेस वैल्यू 2 रुपए रखी गई

मुंबई

टाटा मोटर्स की नई कंपनी टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स (सीवी) 12 नवंबर बुधवार को शेयर बाजार में लिस्ट होने जा रही है। यह कंपनी टी ग्रुप कैटेगरी में लिस्ट होगी और प्रत्येक शेयर की फेस वैल्यू 2 रुपए रखी गई है। यह कदम टाटा मोटर्स के डिमर्जर का हिस्सा है, जो 1 अक्टूबर 2025 से लागू हुआ। डिमर्जर के बाद टाटा मोटर्स दो अलग-अलग कंपनियों में विभाजित हो गई है- 1. टाटा मोटर्स पीवी` में पैसेंजर व्हीकल और इलेक्ट्रिक वाहन, जिसमें लग्जरी ब्रांड जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) शामिल है एवं 2. टाटा मोटर्स सीवी` जिसमें ट्रक, बस और बड़े कमर्शियल वाहन शो मिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अलग होने के बाद दोनों कंपनियां अपने-अपने कारोबार पर बेहतर ध्यान दे सकेंगी और तेजी से विकसित हो सकती हैं। टाटा मोटर्स पीवी की मुख्य ताकत जेएलआरहै, जो कुल मुनाफे का लगभग 90 फीसदी देती है। भारत में पैसेंजर व्हीकल कारोबार केवल 10 फीसदी योगदान देता है। विशेषज्ञों का कहना है कि जेएलआर फिलहाल कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जैसे साइबर अटैक, चीन में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और अमेरिका-यूरोप में कम होती मांग। टाटा मोटर्स का डिमर्जर निवेशकों को दो स्पष्ट कारोबार हिस्सों में निवेश का अवसर देगा।

कमर्शियल और पैसेंजर वाहनों की अलग-अलग रणनीति से दीर्घकालिक विकास की संभावना बढ़ सकती है, जबकि जेएलआर के अंतरराष्ट्रीय जोखिमों पर ध्यान रखना आवश्यक है।

दिल्ली के लाल किला विस्फोट का असर, ईडन गार्डन्स में भारत-अफ्रीका मैच से पहले सुरक्षा घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में हुए संदिग्ध आतंकी हमले के मद्देनजर, 14 नवंबर से शुरू होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट से पहले कोलकाता के ईडन गार्डन्स को %हाई अलर्ट% पर रखा गया है। सोमवार शाम लाल किले के पास हुए एक कार विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। यह पुष्टि करने के लिए जाँच चल रही है कि विस्फोट जानबूझकर किया गया था या दुर्घटनावश। लेकिन देश के प्रमुख शहर इसे आतंकी हमले की तरह मान रहे हैं और प्रमुख दर्शनीय स्थलों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

रिपोर्ट आने के तुरंत बाद, राजधानी के अरुण जेटली स्टेडियम में भी दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के बीच 2025-26 रणजी ट्रॉफी मैच के अंतिम दिन के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। ईडन गार्डन्स के आसपास के इलाके और पश्चिम बंगाल विधानसभा, राजभवन, कलकत्ता उच्च न्यायालय और आकाशवाणी जैसे प्रमुख सरकारी प्रतिष्ठान सुरक्षा व्यवस्था के केंद्र में हैं। रिपोर्ट में पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारतीय और दक्षिण अफ्रीकी टीमों के ठहरने वाले होटलों पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है, जबकि बढ़ते खतरे को देखते हुए भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर का कालीघाट मंदिर का प्रस्तावित दौरा स्थगित किया जा सकता है।

ईडन गार्डन्स में, बाहरी परिधि, प्रवेश द्वार और दर्शक दीर्घाओं को कवर करते हुए एक व्यापक त्रि-स्तरीय सुरक्षा घेरा लागू किया जा रहा है। स्टेडियम के अंदर और आसपास हर गतिविधि पर कड़ी नज़र रखी जाएगी और हैंडहेल्ड स्कैनर और मेटल डिटेक्टरों का उपयोग करके प्रवेश की गहन जाँच की जाएगी। आयोजन स्थल और उसके आसपास के क्षेत्रों में सादे कपड़ों में पुलिस अधिकारी तैनात रहेंगे, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। बैग या प्रतिबंधित वस्तुओं के साथ प्रवेश सख्त वर्जित रहेगा।

भारत-दक्षिण सीरीज 14 से, शुभमन सहित युवा खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

सचिन, विराट सहित इन पांच खिलाड़ियों के नाम हैं सबसे अधिक रनों के रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 14 नवंबर से दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम के युवा खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज को जीतना रहेगा। भारत-दक्षिण अफ्रीका सीरीज के इतिहास पर नजर डालें तो इसमें सबसे अधिक रन सचिन तेंदुलकर ने बनाये हैं। वहीं विराट कोहली चौथे स्थान पर हैं बाकि तीन खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के हैं। सचिन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कुल 25 टेस्ट मैच खेले, जिनमें उन्होंने 1741 रन बनाए। उनका औसत 42.46 का रहा, जो उनके स्थिर प्रदर्शन और निरंतरता को दिखाता है।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व महान ऑलराउंडर जैक्स कैलिस रन बनाने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। कैलिस ने भारत के खिलाफ 18 टेस्ट मैचों में 1734 रन बनाये, और उनका औसत 69.36 का रहा। कैलिस अपने समय के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में से एक रहे हैं, उन्होंने कठिन हालातों में भी अपनी टीम को संभाला। वहीं तीसरे स्थान पर हैं दक्षिण अफ्रीका के ही अनुभवी बल्लेबाज हाशिम अमला। अमला ने भारत के खिलाफ 21 टेस्ट मैच खेले और 43.65 की औसत से 1528 रन बनाए। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अब तक 16 टेस्ट मैचों में 54.15 की औसत से 1408 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 254 रन है, जो उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ही लगाया था। यह स्कोर कोहली के टेस्ट करियर का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी है।

वहीं पांचवें पायदान पर हैं दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज एबी डिविलियर्स। उन्होंने भारत के खिलाफ 20 टेस्ट मुकाबलों में 1334 रन बनाए और उनका औसत 39.23 रन रहा है। डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण छाये रहे हैं। इन दिग्गजों के कारण ही भारत-दक्षिण अफ्रीका के मुकाबले रोमांचक रहे हैं। अब देखना है कि वर्तमान समय के क्रिकेटर इन दिग्गजों की तरह खेल पाते हैं या नहीं।

धोनी आईपीएल को बीच में ही छोड़ सकते हैं : कैफ

– वह सीएसके को योग्य हाथों में सौंपना चाहते हैं

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि अगर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में शामिल होते हैं तो महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल को बीच में ही छोड़ देंगे। कैफ के अनुसार धोनी चाहते हैं कि सैमसन टीम में आयें क्योंकि वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो टीम को कप्तान के तौर पर संभाल सकते हैं।

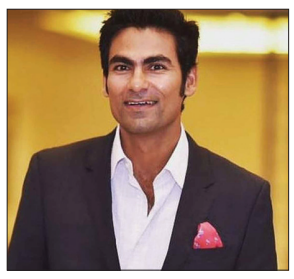

सीएसके और राजस्थान रायल्स के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली को लेकर संभावित कारार की चर्चा जोरों पर है। इसी के बीच ही कैफ ने ये बात कही है। आईपीएल 2025 में रायल्स की कप्तानी करते नजर आए सैमसन पर सीएसके की नजरें बनी हुई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार रॉयल्स संजू सैमसन के बदले में सीएसके से रविंद्र जडेजा और सैम करन को लेना चाहती है। दोनों टीमों के बीच अभी करार पूरा नहीं हुआ है। कैफ के अनुसार सैमसन सुपर किंग्स में शामिल होते हैं तो धोनी का ये अंतित सत्र हो सकता है। कैफ ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी चाहते हैं कि संजू सैमसन सीएसके के साथ जुड़े। उन्होंने संकेत दिया कि अगर ऐसा होता है तो धोनी आराम से आईपीएल से दूरी बना सकते हैं क्योंकि तब टीम का नेतृत्व संजू के रूप में एक ऐसे खिलाड़ी के हाथ में रहेगा जो लंबे समय तक कमान संभाल सकता है।

कैफ के मुताबिक धोनी साल 2022 में जडेजा जैसे अनुभवी को कप्तानी सौंपकर आराम करना चाहते थे पर वह प्रयोग सफल नहीं रहा। जडेजा की कप्तानी में सीएसके ने शुरुआती 8 मैच में सिर्फ 1 में जीत हासिल की थी। उसके बाद धोनी को फिर कप्तानी संभालनी पड़ी थी। कैफ ने जडेजा के कार्यकाल को याद करते हुए कहा, दोनों खिलाड़ियों ने साल 2008 में अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी । अब अगर सैमसन टीम और प्रबंधन के साथ सही से ढल जाते हैं तब धोनी उन्हें कप्तानी सौंप सकते हैं।

अर्शदीप और कुलदीप को बाहर रखने का गंभीर ने कारण बताया

कोच के तौर पर अंतिम ग्यारह का चयन ही मेरे लिए सबसे कठिन

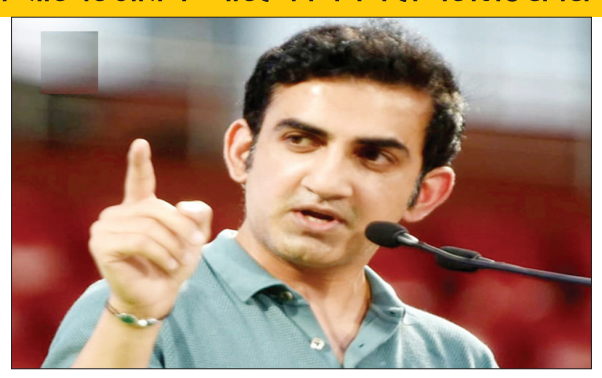

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल नहीं किये जाने पर कई सवाल उठे हैं। प्रशंसकों के साथ ही पूर्व क्रिकेटरों ने भी इन दो खिलाड़ियों की अनदेखी पर नाराजगी जतायी थी। कुलदीप को तो टेस्ट टीम में भी जगह नहीं मिली। अब इसी मामले पर भारतीय टीम के मुख्य कोच कोच गौतम गंभीर का जवाब आया है। गंभीर का एक वीडियो आया है। इसमें उन्होंने कहा कि एक कोच के रूप उनके लिए अंतिम ग्यारह का चयन ही सबसे कठिन काम है। गंभीर ने कहा कि भारत की बेंच स्ट्रेंथ काफी अच्छी है पर अंतम में केवल 11 खिलाड़ियों को मौका दिया जा सकता है।

गंभीर ने कहा, एक कोच के तौर पर मेरे लिए यही सबसे मुश्किल काम है और यही मेरा सबसे मुश्किल काम है। कभी-कभी, जब मुझे पता होता है कि बेंच पर इतने अच्छे खिलाड़ी बैठे हैं और मुझे पता है कि हर कोई अंतिम ग्यारह का हिस्सा बनने का अधिकारी है, तब भी आप केवल 11 खिलाड़ियों को ही चुन सकते हैं, तब यही देखा जाता है कि यह उस दिन काम करने के लिए सबसे बेहतर संयोजन क्या होगा। उन्होंने साथ ही कहा, मेरे लिए, सबसे महत्वपूर्ण बात बातचीत और संवाद है। संवाद बहुत स्पष्ट और ईमानदार होना चाहिए। कभी-कभी, ज़ाहिर है, ये बातचीत बहुत कठिन होती है। अगर आप किसी को बताते हैं कि वह नहीं खेल रहा है, तो यह कोच और खिलाड़ी दोनों के लिए शायद सबसे मुश्किल होता है, क्योंकि मुझे पता है कि खिलाड़ी तब नाराज़ होगा जब वह अंतिम ग्यारह का हिस्सा बनने का अधिकारी होगा।

गंभीर ने भारतीय ड्रेसिंग रूम के अंदर सकारात्मक और पारदर्शी माहौल पर भी जोर दिया और जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों और कोचों के बीच बातचीत निजी ही रहनी चाहिए। उन्होंने कहा, न अगर आप ईमानदार हैं, अगर आप स्पष्टवादी हैं, अगर आप जानते हैं कि आप जो कह रहे हैं वह दिल से है और उससे आगे कुछ नहीं है, तो कुछ खिलाड़ी समझ जाते हैं। और यही एक खिलाड़ी और कोच के बीच का संवाद है, और मुझे लगता है कि इसे यहीं रहना चाहिए, बजाय इसके कि लोग इसके बारे में शोर मचाएँ और अलग-अलग धारणाएं बनाएं।

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा 13 नवंबर को आगरा स्थित अपने घर पहुंचेगी

आगरा (एजेंसी)। । विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा 13 नवंबर को आगरा में अपने घर पहुंचेगी। दीप्ति का आगरा पहुंचने पर भव्य स्वागत होगा। उनके घर पर भी स्वागत की तैयारियां चल रही हैं। दीप्ति का स्वागत करने के लिए जिला क्रिकेट संघ ने भी खासी तैयारी की है। एक रोड शो भी रखा गया है। यह रोड शो शहर के कई क्षेत्रों से गुजरेगा। रोड शो की शुरुआत सिकंदरा के आवास विकास स्थित भावना क्लार्क्स इन होटल के सामने से होगी। यहां से दीप्ति का रोड शो आगे बढ़ेगा। अंत में यह रोड शो स्टार नेक्स्ट क्रिकेट अकादमी पहुंचेगा एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि रोड शो के दौरान विभिन्न जगहों पर दीप्ति का स्वागत होगा। लोग फूल बरसाकर और तालियां बजाकर अपनी खुशी प्रकट करेंगे। दीप्ति के स्वागत के लिए घर को भी सजाया गया है। घर की दीवारों पर नई पेंटिंग हुई है। आकर्षक लाइटें लगाई जा रही हैं। दीप्ति के माता–पिता भी बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा, बेटी के आने का सभी को इंतजार है। घर में उत्साह का माहौल है। हम सब बहुत उत्साहित हैं।

कीली बन सकते हैं भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पहले स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच, बीसीसीआई से चल रही है बात

मुम्बई । नाथन कीली भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पहले विदेशी विदेशी स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच बन सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में बेंगलुरु स्थित उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग विभाग में कई भर्तियां की हैं। वहीं अब बीसीसीआई की कीली से बात चल रही है। कीली अभी बांग्लादेश पुरुष टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच हैं। संभावना है कि उन्हें शीघ्र ही सीओई में शामिल किया जा सकता है। अभी भारतीय टीम की वर्तमान स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच एआई हर्षा हैं। हर्षा ने विश्व कप में खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी पर पता चला है कि बीसीसीआई उनको कोच की जगह कोई और जिम्मेदारी देना चाहता है। वहीं कीली बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम के अलाव न्यू साउथ वेल्स की प्रथम श्रेणी टीम के सहायक कोच के रूप में भी काम किया है। आम तौर पर सीओई से जुड़े व्यक्ति को ही महिला क्रिकेट टीम का स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच बनाया जाता है ऐसे में कीली के पहले विदेशी कोच बनने की काफी उम्मीदें हैं।

डब्ल्यूपीएल में खेलना चाहती है अनाया बांगर

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर की बेटी अनाया बांगर भी महिला क्रिकेट लीग (डब्ल्यूपीएल) में खेलना चाहती है। अनाया ने सोशल मीडिया में एक वीडियो पोस्ट किया है जिसके बाद से ही ये चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं। उनके पिता संजय आरसीबी के कोच की भूमिका निभा चुके हैं लिहाजा उनको भी इस टीम से खेलने का अवसर मिल सकता है। जो वीडियो सामने आया है उसमें अनाया रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) क्रिकेट किट बैग के साथ अभ्यास करती दिख रही हैं। इस वीडियो ने प्रशंसकों के बीच भारी अटकलें पैदा कर दी हैं कि वह आगामी महिला प्रीमियर लीग में महिला टीम में शामिल हो सकती हैं। कुछ दिन पहले ही अनाया ने घोषणा की थी कि वह अपने जेंडर रीअसाइनमेंट सर्जरी से पूरी तरह ठीक हो चुकी हैं और अब वह 卐आर्यन नहीं बल्कि अनया के रूप में卐 मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। वह लंबे समय से खेल में वापसी को लेकर उत्साहित रही हैं। एक शो में भाग लेने के दौरान उन्होंने भावुक होकर कहा था, 'मैं अपने अधिकारों के लिए लड़ूंगी और एक दिन मैं भारत के लिए विश्वकप जीतूंगी।' इस पोस्ट से यह साफ होता है कि वह पेशेवर क्रिकेट में प्रवेश करने के लिए बेताब हैं पर बड़ा सवाल यह है कि क्या उन्हें महिला प्रीमियर लीग में खेलने की अनुमति मिलेगी, क्योंकि आईसीसी ने ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया है।

सौरव गांगुली ने कहा, भारत में भारत को चुनौती देना दक्षिण अफ्रीका के लिए पहाड़ जैसा !

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चैंपियन दक्षिण अफ्रीका के लिए भारत के खिलाफ उसकी घरेलू परिस्थितियों में खेलना एक कठिन चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि भारत घरेलू और विदेशी दोनों ही जगहों पर मजबूत है और ईडन गार्डन्स में एक उच्च-स्तरीय मुकाबले की उम्मीद है। भारत शुक्रवार से कोलकाता में शुरू हो रही दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। गांगुली ने कहा कि यह दक्षिण अफ्रीका के लिए एक कठिन दौरा होगा, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि प्रोटियाज एक अच्छी टीम है और यह एक उच्च-स्तरीय मुकाबला होना चाहिए।

गांगुली ने जियोस्टार पर कहा कि पहला टेस्ट कुछ ही दिनों में कोलकाता में शुरू हो रहा है, और यह दक्षिण अफ्रीका के लिए एक कठिन दौरा होने वाला है। भारत के खिलाफ भारत में खेलना कभी आसान नहीं होता। भारत उपमहाद्वीप में एक बहुत ही मज़बूत टीम है, और आजकल विदेशों में भी एक मज़बूत टीम है। मैं ईडन गार्डन्स में होने वाले टेस्ट का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ। दक्षिण अफ्रीका एक अच्छी टीम है, इसलिए यह एक उच्च-स्तरीय मुकाबला होना चाहिए।

शुभमन गिल की अगुवाई में, भारत अपने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अभियान की शुरुआत इंग्लैंड के विदेशी दौरे और फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से करने के बाद घरेलू श्रृंखला में प्रवेश कर रहा है। इस बीच, टेम्बा बावुमा की दक्षिण अफ्रीका टीम पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद यहाँ पहुँच रही है। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पाँच मैचों की टेस्ट सीरीज़ 2-2 से ड्रॉ खेली, जहाँ गिल ने 75.40 की असाधारण औसत से 754 रन बनाए, जिसमें चार शतक शामिल हैं।

इंग्लैंड सीरीज़ के बाद, भारत ने घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज़ पर 2-0 से क्लीन स्वीप किया। कोलकाता में शुरुआती टेस्ट के बाद, सीरीज़ गुवाहाटी में स्थानांतरित हो जाएगी, जहाँ दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। टेस्ट मैचों के बाद तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेली जाएगी, जिसमें वरिष्ठ खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली के मैदान पर वापसी की उम्मीद है। यह दौरा पाँच मैचों की टी20आई सीरीज़ के साथ समाप्त होगा, जो अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले दोनों टीमों के लिए बहुमूल्य तैयारी का अवसर प्रदान करेगा।

सैमसन गये तो यशस्वी या जुरेल को मिल सकती है रॉयल्स की कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के राजस्थान रॉयल्स छोड़ने की अटकलें हैं। माना जा रहा है कि वह आईपीएल 2026 में किसी और टीम से उतरेंगे। अगर ऐसा हुआ तो रॉयल्स की कप्तानी किसको मिलेगी ये सवाल भी उठ रहा है। रॉयल्स के पास ऐसे में परेशानी नहीं है। उसके पास रियान पराग और यशस्वी जायसवाल व ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ी हैं जो कप्तानी संभाल सकते हैं। पराग ने आईपीएल 2025 में कई मैचों में कप्तानी की थी पर इस समय उन्हें शायद ही अवसर मिले क्योंकि उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन खास नहीं रहा था। रियान की फॉर्म कप्तानी में बहुत अच्छी नहीं थी। इसलिए उनकी दावेदारी लगभग खत्म हो चुकी है। ऐसे में सलामी बल्लेबाज यशस्वी और जुरेल बचते हैं। यशस्वी और जुरेल में से किसी एक को रॉयल्स कमान दे सकती हे। इन दोनों को ही हालांकि कप्तानी का अनुभव नहीं है। यही दो खिलाड़ी इस समय कप्तानी के लिए सबसे बड़े दावेदार हैं। अन्य कोई खिलाड़ी ऐसा नहीं लगता है, जिसे कप्तानी सौंपी जाए। फॉर्म के आधार पर देखा जाए तो इनसे बढ़िया फॉर्म किसी खिलाड़ी के पास नहीं है। नितीश राणा भी एक विकल्प हैं पर वे अगले महीने 32 साल के होने जा रहे हैं। इसके अलावा वे मौजूदा समय में भी क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं। वहीं, ब्रांड वैल्यू के हिसाब से देखा जाए तो यशस्वी और जुरेल भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा हैं।

कॉनवे, विजय शंकर और हुड्डा को बाहर करे सीएसके : रैना

जडेजा, धोनी को बरकरार रखे

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि आईपीएल 2026 के लिए चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम को डेवोन कॉनवे, विजय शंकर और दीपक हुड्डा को रिलीज कर देना चाहिये। वहीं अनुभवी ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को टीम में बनाये रखना चाहिये। रैना ने अगले माह होने वाली नीलामी को लेकर ये सुझाव सीएसके को दिये हैं। रैना के अनुसार जडेजा सीएसके में ही रहें। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसके और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच ट्रेड डील पर बात चल रही है।

इसके तहत ही रॉयल्स ने सैमसन के बदले जडेजा और सैम करन की मांग की है। सीएसके और रायल्स के बीच अभी तक करार पर कोई फैसला नहीं हुआ है। वहीं रैना ने कहा, स्पिनर नूर अहमद को बरकरार रखा जाना चाहिए। इकेस अलावा महेन्द्र सिंह धोनी को भी एमएस बरकरार रखें। वह आगामी सीजन में खेल रहे हैं, इसलिए उन्हें टीम के साथ बने रहना चाहिए। ऋतुराज गायकवाड़ कप्तान बने रहना चाहिए। रवींद्र जडेजा को फिर से बरकारार रखना चाहिये। वह सीएसके के लिए एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले कुछ सालों में टीम के लिए वाकई बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं न्यूजीलैंड के कॉनवे और विजय शंकर वह दीपक को काफी अवसर मिले हैं और ये फायदेमंद नहीं रहे हैं। इसलिए इन्हें हटाया जाना चाहिये। इस पूर्व बल्लेबाज ने आगे कहा, कॉनवे को बाहर कर देना चाहिए। वहीं विजय शंकर को पहले ही काफी अवसर मिल चुके हैं। इसलिए मुझे लगता है कि सीएसके को उन्हें भी बाहर कर देना चाहिए। इसके अलावा हुड्डा को भी बाहर करें। मिनी नीलामी में कई ऐसे खिलाड़ी उपलब्ध होंगे, जो टीम के लिए बेहतर संयोजन प्रदान कर सकते हैं। इन खिलाड़ियों को पिछले साल अवसर मिले थे और हमने देखा कि उन्होंने कैसा खेला। शायद सीएसके को किसी नए खिलाड़ियों की तलाश करनी होगी। गौरतलब है कि कॉनवे ने आईपीएल 2025 में सीएसके के लिए छह मैचों में 26 के औसत और 131.09 के स्ट्राइक रेट से 156 रन बनाए। वह निजी कारणों से कैंप छोड़कर स्वदेश लौट गए थे और चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहे। उन्हें 6.25 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया गया था। विजय शंकर, 1.2 करोड़ रुपये में फ्रेंचाइज़ी में आए थे। उन्होंने पांच पारियों में 39.33 के औसत और 129.67 के स्ट्राइक रेट से 118 रन बनाए। वहीं, सीएके ने हुड्डा को पिछले सत्र में 1.70 करोड़ रुपये में लिया था और सत्र में उनका प्रदर्शन खराब रहा। वह पांच पारियों में केवल 31 रन ही बना पाये थे।

दमदार लय में सिराज ! बोले- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खुद को साबित करने को बेताब हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोहम्मद सिराज ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि वह 14 नवंबर (शुक्रवार) से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होने वाली भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले इस अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए उत्सुक हैं। सिराज, दुनिया के नंबर एक टेस्ट गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ, गत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चैंपियन के खिलाफ भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करने के लिए तैयार हैं। 31 वर्षीय हैदराबादी तेज गेंदबाज, जो वर्तमान में 2025-27 डब्ल्यूटीसी चक्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, घरेलू श्रृंखला में प्रभाव छोड़ने के लिए उत्सुक हैं।

सिराज ने कहा कि यह श्रृंखला नए डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर इसलिए क्योंकि दक्षिण अफ्रीका गत विजेता है। हालाँकि उन्होंने पाकिस्तान के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला, हम अपने अच्छे फॉर्म से आश्वस्त हैं, हमने एक सकारात्मक माहौल बनाया, इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन किया और वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत हासिल की। व्यक्तिगत रूप से, मैं अच्छी लय के साथ गेंदबाजी कर रहा हूँ और इसका अधिकतम लाभ उठाने की कोशिश कर रहा हूँ। मजबूत टीमों का सामना करने से सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलती है और मैं इस चुनौती के लिए वास्तव में उत्साहित हूँ।

सिराज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने दोनों मैचों में 13 की असाधारण औसत से 10 विकेट लिए। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें भारत ने 2-2 से बराबरी की। भारतीय तेज गेंदबाज श्रृंखला में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में उभरे, उन्होंने 23 विकेट लिए, जिसमें दो बार पांच विकेट और एक बार चार विकेट शामिल हैं। उन्होंने 1100 से अधिक गेंदें फेंकी, जो श्रृंखला में किसी भी गेंदबाज द्वारा फेंकी गई सबसे अधिक गेंदें हैं।

शुभमन गिल के नेतृत्व में, भारत ने मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र की मजबूत शुरुआत की है, जिसमें उन्होंने खेले गए सात टेस्ट मैचों में से चार जीते हैं, दो हारे हैं और एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। भारत 61.90 के पीसीटी के साथ डब्ल्यूटीसी 2025-27 अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। टेम्बा बावुमा के नेतृत्व में, दक्षिण अफ्रीका अपने डब्ल्यूटीसी 2025-27 अभियान की अच्छी शुरुआत के साथ श्रृंखला में उतरेगा, जिसने पाकिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट श्रृंखला ड्रॉ की थी। हालाँकि, भारत घरेलू धरती पर स्पष्ट पसंदीदा के रूप में शुरुआत करेगा।

ऋचा घोष के नाम पर सिलीगुड़ी में बनेगा क्रिकेट स्टेडियम

कोलकाता । महिला विश्वकप विजेता क्रिकेट टीम की खिलाड़ी ऋचा घोष के नाम पर एक क्रिकेट स्टेडियम उनके गृहनगर सिलीगुड़ी बनने जा रहा है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है सिलीगुड़ी में बनने जा रहे स्टेडियम का नाम ऋचा घोष रखा जाएगा। विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋचा की महिला विश्वकप जीतने में अहम भूमिका रही थी। कप्तानी हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर जब से पहला आईसीसी खिताब जीत है तभी से खिलाड़ियों को इनाम दिये जाने के साथ ही उनका सम्मान भी हो रहा है। इसी कड़ी में ममता ने सिलीगुड़ी में कहा, 'ऋचा क्रिकेट स्टेडियम' चांदमणि टी एस्टेट में 27 एकड़ के भूखंड पर बनाया जाएगा। यह बंगाल की एक खेल प्रतिभा, ऋचा को सम्मानित करने के साथही उत्तर बंगाल के युवा क्रिकेटरों को प्रोत्साहित करने का एक तरीका है।'' उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार यह परियोजना शीघ्र शुरू करेगी।'' घोष को इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने बंग भूषण पुरस्कार से भी सम्मानित किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीट्यूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीट्यूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीट्यूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीट्यूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीट्यूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीट्यूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीट्यूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीट्यूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीट्यूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीट्यूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीट्यूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीट्यूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीट्यूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीट्यूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीट्यूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीट्यूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीट्यूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीट्यूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीट्यूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीट्यूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरियाणा सरकार ने भूतपूर्व अग्निवीरों को दी सौगात... ऊपरी आयु सीमा में छूट

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने राज्य के मूल निवासी भूतपूर्व अग्निवीरों को सैन्य सेवा पूरी करने के बाद सीधी भर्ती के दौरान ऊपरी आयु सीमा में छूट देने का निर्णय लिया है। भूतपूर्व अग्निवीरों को ग्रुप बी और ग्रुप सी के पदों पर सीधी भर्ती के लिए निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट मिलेगी। भूतपूर्व अग्निवीरों के पहले बैच के सदस्यों को आयु सीमा में पाँच वर्ष की छूट मिलेगी। सभी विभागों, बोर्डों, निगमों, विश्वविद्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। 17 जून को, भारत सरकार ने भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 में संशोधन किया, जिसके तहत गृह मंत्रालय (एमएचए) को सशस्त्र बलों से चार साल के कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त होने वाले अग्निवीरों के करियर की प्रगति के समन्वय और सुविधा प्रदान करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गृह मंत्रालय नोडल मंत्रालय के रूप में कार्य करेगा और विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के साथ निकट समन्वय में काम करेगा। यह निर्णय भूतपूर्व अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों में अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत कोटा, केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत कोटा लागू करने की मांग पर केंद्र को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत के संविधान की प्रस्तावना कहती है कि सभी नागरिक राजनीतिक और सामाजिक समानता के हकदार और उस यह हक मिलाना चाहिए हैं। इस देश में सबसे बड़ा अल्पसंख्यक कौन है? महिलाएं हैं। यह (आंकड़ा) करीब 48 प्रतिशत के करीब है। यह (अधिनियम) महिलाओं की राजनीतिक समानता के बारे में है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसतरह के नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप करने को लेकर अदालतों की सीमाएं होती है। सुप्रीम कोर्ट ने असम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अंतिम रूप देने की मांग वाली याचिकाओं पर एनआरसी समन्वयक को नोटिस दे दिया है। ये याचिकाएं जमीयत उलेमा-ए-हिंद और ऑल असम माइनॉरिटीज स्टूडेंट्स यूनियन की ओर से दायर की गई थी, जिसमें केंद्र को अंतिम एनआरसी के बाद की लंबित वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी करने के निर्देश की मांग की गई है।

अमृतपाल सिंह की नज़रबंदी को चुनौती देने वाली याचिका को सुनने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अमृतपाल सिंह की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत अपनी नज़रबंदी को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इंकार किया है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने याचिकाकर्ता को अपनी याचिका पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में प्रस्तुत करने को कहा। पीठ ने उच्च न्यायालय से छह सप्ताह के भीतर सिंह की याचिका पर निर्णय लेने को कहा, ताकि मामले का जल्द निपटारा हो सके। सिंह के वकील ने कहा कि उनके मुवक्कि करीब दो साल से नजरबंदी में हैं और नजरबंदी का आधार एक ऐसी प्राथमिकी पर आधारित है जिसमें आरोपपत्र दायर हो चुका है और मुकदमा शुरू हो गया है। उन्होंने कोर्ट में तर्क देते हुए सोनम वांगचुक के मामले का भी हवाला दिया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि वांगचुक का मामला इसलिए अलग था क्योंकि उन्हें एक राज्य से दूसरे राज्य में निर्वासित किया गया था। बात दें कि अमृतपाल सिंह ने जेल में रहते हुए खडूर साहिब से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव जीता था। वह वर्तमान में एनएसए के तहत कथित अपराधों के लिए डिब्रूगढ़ जिले की जेल में बंद हैं। बात दें कि सुप्रीम कोर्ट ने अमृतपाल सिंह की याचिका को सीधे सुनने के बजाय, उन्हें पहले उच्च न्यायालय में जाने का निर्देश दिया है, साथ ही उच्च न्यायालय को मामले का जल्द निपटारा करने के लिए समय सीमा भी दी है।

नोएडा सेक्टर-105 में महिला का सिर व कलाई कटे शव मिलने से हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नोएडा के सेक्टर-105 इलाके में 6 नवंबर को एक महिला का सिर और दोनों कलाई कटे शव नाले में पाया गया। शव नग्न था और आसपास के क्षेत्र में महिला की पहचान का कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने शव के पैर में पाए गए बिछुए की फोटो के आधार पर जनता से महिला की पहचान के संबंध में जानकारी देने की अपील की है। पुलिस के अनुसार, ग्राम सोरखा निवासी ने थाना सेक्टर-39 को सूचना दी कि नाले में किसी महिला का शव तैर रहा है। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पंचनामा किया। शुरुआती जांच में हत्या का मामला साफ दिखाई दिया। महिला की उम्र लगभग 35 वर्ष और कद करीब 5 फीट 1 इंच बताया जा रहा है। थाना सेक्टर-39 में हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच अधिकारियों को सौंपी गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और लापता महिलाओं की रिपोर्ट से मिलान किया जा रहा है। पुलिस ने आम जनता से अनुरोध किया है कि यदि किसी को महिला की पहचान के संबंध में जानकारी हो, तो तुरंत थाना सेक्टर-39 से संपर्क करें। पुलिस अपराधियों को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

साइबर आरोपियों ने बुजुर्ग से 16.82 लाख रुपये की ठगी की

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में हुई एक धोखाधड़ी (ठगी) की घटना से संबंधित है। ठाणे के वर्तक नगर इलाके का एक 50 वर्षीय कारोबारी (बुजुर्ग)। आरोपियों ने नारियल के व्यापार में भारी मुनाफे का झांसा देकर और पार्टनरशिप का प्रस्ताव रखकर पीड़ित से निवेश करवाया। साइबर आरोपियों ने बुजुर्ग से 16.82 लाख रुपये की ठगी की है। साइबर ठगी का यह काम सितंबर से दिसंबर 2024 के बीच किया गया। पुलिस ने बताया कि इस पूरे मामले में चार आरोपी शामिल बताए जा रहे है। आरोपियों ने भरोसा जीतने के लिए शुरुआत में पीड़ित को 1.59 लाख की आंशिक रकम दी। जब पीड़ित ने बाकी पैसे और मुनाफे की मांग की, तो आरोपियों ने टालमटोल शुरू कर दी और बाद में भुगतान से साफइंकार किया। पीड़ित ने वर्तक नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफभारतीय न्याय संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 406 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत मामला दर्ज किया है। तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है और उनकी तलाश जारी है।

आतंकी कनेक्शन यूपी से जुड़ा, सीएम योगी ने दिए सख्त आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ, दिल्ली में हुए धमाके के बाद जांच एजेंसियों की नजर अब उत्तर प्रदेश पर भी टिक गई है। आतंकी नेटवर्क के तार लखनऊ और लखीमपुर तक जुड़ते दिखाई दे रहे हैं। अहमदाबाद से गिरफ्तार तीन संदिग्धों में एक लखीमपुर के निघासन इलाके का रहने वाला है, जबकि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लखनऊ की रहने वाली महिला डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों के बीच मिली कड़ियों ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। जांच एजेंसियों का मानना है कि हाल के महीनों में उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों से आतंकी संगठनों ने अपनी जड़ें फैलाने की कोशिश की है। सीमावर्ती जिलों जैसे लखीमपुर, सिद्धार्थनगर और श्रावस्ती पर विशेष नजर रखी जा रही है। सूत्रों का कहना है कि इन इलाकों में कुछ कट्टरपंथी तत्व युवाओं को बरगलाकर ऑनलाइन माध्यम से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

एटीएस ने अहमदाबाद से आईएसकेपी

मॉड्यूल से जुड़े तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया। इनमें से एक आरोपी मोहम्मद सोहेल, लखीमपुर खीरी जिले के निघासन तहसील के सिंगाही थाना क्षेत्र के झाला गांव का रहने वाला है। सोहेल के परिवार के मुताबिक, वह तीन साल पहले मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना कस्बे में जामिया दारुल उलूम अजीजिया नामक मदरसे में हाफिज की पढ़ाई करने गया था। सोहेल का परिवार गरीब है। पिता सलीम ट्रैक्टर मैकेनिक हैं। घर में मां रुखसाना, छोटे भाई वसीम और बड़े भाई की पत्नी रहती हैं। बड़ा भाई सुम्मी तमिलनाडु में कपड़ा फैक्ट्री में काम करता है। तीन साल पहले सोहेल के एक भाई की करंट लगने से मौत हो चुकी है।

दिल्ली धमाके के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण से घटना की जानकारी ली और पूरे प्रदेश को हाई अलर्ट पर रखने के आदेश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि किसी भी स्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी जिलों में संवेदनशील इलाकों की निगरानी बढ़ाई जाए, और पुलिस अधिकारी खुद फील्ड में रहकर जांच और पेट्रोलिंग करें। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद डीजीपी ने सभी जिलों को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सभी वरिष्ठ अधिकारी फील्ड में रहकर बाजारों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों का निरीक्षण करने को कहा है ओर भीड़भाड़ वाले इलाकों में गश्त और चेकिंग बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

तिरुपति में पांच साल तक बनते रहे मिलावटी घी के लड्डू, खर्च हुए थे 250 करोड़

- एसआईटी ने किया खुलासा, लगभग 60 लाख किलो लड्डू सप्लाई किए गए

चेन्नई (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी ने तिरुपति तिरुमला देवस्थानम (टीटीडी) में मिलने वाले लड्डू प्रसाद में मिलावटी घी की आपूर्ति का खुलासा किया। जांच में पता चला कि 2019 से 2024 तक लगभग 60 लाख किलोग्राम लड्डू सप्लाई किए गए, जिनकी कीमत 250 करोड़ रुपये से अधिक थी। उत्तराखंड की भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी ने कभी दूध या मक्खन खरीदे बिना पाम ऑइल और रासायनिक पदार्थ मिलाकर नकली घी तैयार किया। इसे भगवानपुर के पोमिल और विपिन जैन ने संचालित किया। 2022 में डेयरी ब्लैकलिस्ट होने के बावजूद दूसरी कंपनियों के माध्यम से सप्लाई जारी रही। जांच में यह भी सामने आया कि टीटीडी के तत्कालीन चेयरमैन वाईवी सुब्बा रेड्डी के पीए चिन्नाप्पन्ना को 50 लाख रुपये की रिश्वत दी गई थी। रिश्वत देने वाली कंपनी थी यूपी की एग्री फूड्स प्राइवेट लिमिटेड। घी सप्लाई में चार कंपनियां शामिल थीं। टेंडर हासिल करने के लिए कीमतों में हेरफेर और फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया। इस घोटाले ने धार्मिक प्रसाद की सुरक्षा और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिल्ली में धमाका करने वालों को पकड़े जाने पर दी जाए फांसी: धीरेंद्र शास्त्री

नई दिल्ली(एजेंसी)। बागेश्वर धाम के आचार्य और कथा वाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास विस्फोट की घटना पर प्रतिक्रिया दी। हरियाणा के पलवल में पदयात्रा के दौरान उन्होंने कहा कि जब भी धमाके हुए, उसे कहीं ना कहीं एक कट्टरपंथी मजहबी विचारधारा के लोगों ने किया। हमेशा भारत को, भारत माता को, सनातन को टारगेट किया। उन्होंने कहा कि कल जो हुआ वह घोर निंदनीय और अमानवीय है। भगवान से प्रार्थना है कि जिनका शरीर पूरा हुआ उन्हें वे अपने चरणों में स्थान दें। हम उन्हें शोक संवेदना व्यक्त करते हैं।

धीरेंद्र शास्त्री ने अपील की कि कट्टर मजहबी पंथ की विचारधारा की सोच पर लगाम लगाने के लिए अब सनातनियों को एक होना पड़ेगा। तुम कितना भी भारतीयों को डरा दो, सनातनियों को डरा दो। ना हम डरेंगे और ना हम झुकेंगे। उन्होंने कहा कि इस देश में जब तक भारतीयों की एकता नहीं हो जाती है तब तक हम पदयात्रा करते रहेंगे। शास्त्री ने कहा कि हम सरकार से मांग करते हैं कि पकड़े जाने वालों को फांसी दी जाए। उन्होंने कहा कि यात्रा सुचारू रूप से चल रही है और निर्बाध रूप से जारी रहेगी। हरियाणा सरकार और केंद्र सरकार इस पर बारीकी से नजर रख रही हैं। हम सभी भक्तों से अपील करते हैं कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें।

बता दें दिल्ली में सोमवार शाम को

लाल किले के पास जोरदार धमाका हुआ। ह्यूंडई आई20 कार ट्रैफिक सिग्नल पर रुकते ही उसमें धमाका हो गया, जिससे 13 लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा घायल हैं। धमाके इतना जबरदस्त था कि आसपास की तीन-चार गाड़ियां और ऑटो रिक्शा आग की लपटों में घिर गए। खिड़कियां टूट गईं और धुंआ चारों ओर फैल गया। घटनास्थल लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास की है, जहां पर्यटक और स्थानीय लोग शाम के समय व्यस्त रहते हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि दूर तक महसूस हुई और लोग भागते हुए गिर पड़े। दिल्ली पुलिस ने तुरंत इलाके को घेर लिया, जबकि फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई। इस घटना ने सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने मामला यूएपीए और विस्फोटक अधिनियम के तहत दर्ज किया है। एनआईए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी और स्पेशल सेल की टीमें जांच में जुड़ गई हैं।

दिल्ली धमाके पर बोले प्रशांत किशोर- चुनाव के समय ऐसी घटनाएं होती रहती हैं

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने मंगलवार सुबह ज़ोर देकर कहा कि बिहार में मतदान राज्य के मुद्दों पर केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद राज्य में बढ़ाए गए सुरक्षा उपायों को कम करके आंका। उन्होंने कहा, चुनावों के दौरान ऐसी घटनाएं कभी-कभार होती हैं। बिहार के लोगों को इससे घबराने की जरूरत नहीं है। यह बिहार का चुनाव है। मतदान बिहार के मुद्दों पर आधारित होना चाहिए। सुरक्षा के लिए, बिहार और देश की जनता ने संसद और सरकार को चुना है। सरकार जो भी जरूरी कदम उठाएगी, वह उठाएगी। उन्होंने मतदाताओं से आज पहले चरण के रिकॉर्ड को तोड़ने और बिहार में शिक्षा और रोज़गार प्रदान करने वाली एक नई व्यवस्था बनाने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि उसी व्यवस्था के लिए वोट

देकर गलती करने का मतलब होगा पांच साल उस भ्रष्टाचार के साथ बिताना जो आपको परेशान करता है। इस विस्फोट में 8 लोग मारे गए थे। प्रशांत किशोर ने जोर देकर कहा कि सुरक्षा का जिम्मा चुनी हुई सरकार संभाल रही है और आश्वासन दिया कि सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। बिहार में विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए मतदान जारी है। अगले पांच साल उसी व्यवस्था के साथ बिताएंगे जो आपको परेशान करती है, उसी भ्रष्टाचार के साथ जो आपको परेशान करता है। मैं आज वोट देने जा रहा हूं। दिल्ली विस्फोट के मद्देनजर, आज सुबह शुरू हुए विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए बिहार के विभिन्न जिलों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। भागलपुर विधानसभा क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर तैनात सुरक्षाकर्मी, जहां कांग्रेस के अजीत शर्मा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रोहित पांडे के बीच सीधा मुकाबला होगा। प्रशांत किशोर ने कहा, मैं बिहार के लोगों से आज पिछले चरण के रिकॉर्ड मतदान को तोड़ने की अपील करता हूं। बिहार में बदलाव के लिए वोट करें। अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट करें। पहले चरण से भी ज़्यादा संख्या में वोट करें ताकि 14 नवंबर को बिहार में एक नई व्यवस्था बने। एक ऐसी व्यवस्था जो आपके बच्चों को शिक्षा और रोजगार दे।

दिल्ली विस्फोट के बाद हाई अलर्ट पर मुंबई, पुलिस ने महत्वपूर्ण स्थानों पर गहन जाँच की

मुंबई (एजेंसी)। सोमवार शाम नई दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट के बाद मुंबई में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। मुंबई पुलिस ने तुरंत अपने सभी सिस्टम को तैयार कर लिया है और महत्वपूर्ण स्थानों पर गहन जाँच शुरू कर दी है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई को हमेशा से ही आतंकवादी हमलों का निशाना माना जाता रहा है। इसलिए, दिल्ली विस्फोट के बाद मुंबई में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी गई है। आपको बता दें कि सोमवार शाम करीब 6.45 बजे लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास खड़ी एक कार में जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट इतना तीव्र था कि आसपास का इलाका दहल गया और तीन अन्य वाहनों में आग लग गई। दिल्ली विस्फोट की सूचना मिलते ही मुंबई में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चर्चगेट, दादर, बांद्रा टर्मिनस जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर बम निरोधक टीमों के साथ दंगा नियंत्रण दल तैनात किए गए हैं। यहाँ यात्रियों के बैग और वाहनों की गहन जाँच की जा रही है। सीएसएमटी इलाका अब पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। शहर के धार्मिक स्थलों, बाज़ारों, होटलों, मॉल और अन्य भीड़-भाड़ वाली जगहों पर पुलिस की पैनी नज़र है। मुंबई पुलिस की विशेष शाखा ने अलग-अलग इलाकों में गश्त बढ़ा दी है और लगातार गश्त कर रही है। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही, संवेदनशील इलाकों में क्यूआरटी (क्विक रिस्पांस टीम) को तैयार रखा गया है। मुंबई पुलिस ने नागरिकों से विशेष अपील की है कि अगर उन्हें ट्रेन, बस स्टैंड, बाज़ार या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कोई भी संदिग्ध वस्तु, बैग या व्यक्ति दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। उनसे पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 100 या स्थानीय पुलिस स्टेशन पर संपर्क करने की अपील की गई है। पुलिस ने कहा, आपकी सतर्कता ही हमारी ताकत है।

निठारी कांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली को मिली बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने आखिरी मामलें में भी किया बरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश को झकझोर देने वाले निठारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली को आखिरकार सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने कोली से जुड़े अंतिम बचे मामले में भी उसकी सजा रद्द कर दी। अदालत ने कहा कि जब बाकी सभी मामलों में उसे बरी किया जा चुका है, तो समान साक्ष्यों के आधार पर इस एक मामले में सजा बरकरार रखना न्यायसंगत नहीं होगा। कोर्ट के इस फैसले के बाद कोली अब जेल से बाहर आ सकेगा, बशर्ते किसी अन्य मामले में वह वांछित न हो।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने कोली की क्यूरेटिव याचिका स्वीकार करते हुए उसे सभी आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने 15 फरवरी 2011 के उस आदेश को भी निरस्त कर दिया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कोली की सजा बरकरार रखी थी। साथ

ही, 28 अक्टूबर 2014 का वह निर्णय भी रद्द कर दिया गया, जिसमें उसकी पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी गई थी।

पीठ ने कहा कि यदि अन्य मामलों में समान साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को निर्दोष पाया गया है, तो इस एक मामले में सजा देना न्याय की दृष्टि से असंगत होगा। जस्टिस विक्रम नाथ ने आदेश सुनाते हुए कहा, कोली को सभी आरोपों से मुक्त किया जाता है। यदि वह किसी अन्य मुकदमे में वांछित नहीं है, तो उसे तुरंत रिहा किया जाए। सुरेंद्र कोली ने अपनी क्यूरेटिव याचिका में यह तर्क दिया था कि जिन सबूतों के आधार पर उसे इस मामले में दोषी ठहराया गया था, वही सबूत अन्य मामलों में अविश्वसनीय माने गए थे और उन पर उसे पहले ही बरी किया जा चुका है।

गौरतलब है कि निठारी कांड में नोएडा के निठारी गांव से कई बच्चों और महिलाओं के लापता होने, हत्या और उनके अवशेष बरामद होने के बाद पूरे देश में सनसनी फैल गई थी। इस मामले में कोली और उसके मालिक मोनिंदर सिंह पंधेर पर कई मामलों में मुकदमे चले थे। सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई 2025 में ही इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा था, जिसमें दोनों आरोपियों को 14 मामलों में बरी कर दिया गया था। अब अंतिम मामला भी समाप्त होने के साथ ही सुरेंद्र कोली की कानूनी लड़ाई खत्म हो गई है।

मित्र शक्ति-2025: भारत-श्रीलंका संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

जयपुर (एजेंसी)। बेलगावी,(ईएमएस)। भारत और श्रीलंका के बीच 11वां संयुक्त सैन्य अभ्यास ÷मित्र शक्ति-2025÷ आज कर्नाटक के बेलगावी स्थित फॉरेन ट्रेनिंग नोड में शुरू हो गया। 10 से 23 नवंबर तक चलने वाले इस अभ्यास में भारत से राजपूत रेजिमेंट के 170 सैनिक और श्रीलंका से गजाबा रेजिमेंट के 135 जवान हिस्सा ले रहे हैं। दोनों वायुसेनाओं से 30 अधिकारी-कर्मी जुड़े हैं। अभ्यास का मुख्य उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र अध्याय 7 के तहत सब-कन्वेंशनल ऑपरेशंस, खासकर आतंकवाद-रोधी कार्रवाइयों में समन्वय बढ़ाना है। सैनिक छापेमारी, सर्च एंड डेस्ट्रॉय मिशन, हेलिबोर्न ऑपरेशन का अभ्यास करेंगे। आर्मी मार्शल आर्ट्स, कॉम्बैट रिफ्लेक्स शूटिंग और योग भी शामिल हैं।

श्रीलंका की गजाबा रेजिमेंट अनुराधापुरा के निकट सालियापुरा में स्थित है। 1980 में 100 एकड़ पर शुरू हुई यह इकाई राजराटा राइफल्स और विजयबाहु इन्फेंट्री की पहली बटालियनों के विलय से 1982 में बनी। शुरू में 30 सैनिकों से आरंभ होकर यह श्रीलंका की सबसे बहादुर रेजिमेंट बनी, जिसने देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत की राजपूत रेजिमेंट 1778 में स्थापित सबसे पुरानी पैदल सेना इकाई है। ÷वीर भोग्या वसुंधरा÷ इसका आदर्श वाक्य है। 1947, 1965, 1971 के युद्धों और कारगिल संघर्ष में इसने अद्वितीय शौर्य दिखाया। कठोर अनुशासन, प्रशिक्षण और राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत राजपूत सैनिक रेगिस्तान से हिमालय तक हर चुनौती के लिए तैयार रहते हैं। इस बार अभ्यास में ड्रोन, काउंटर-यूएएस सिस्टम का संचालन, हेलिपैड सुरक्षा, घायल निकासी और आपात समन्वय पर जोर है। आधुनिक तकनीकें दोनों सेनाओं की क्षमता बढ़ाएंगी। मित्र शक्ति से सैन्य सामंजस्य, रणनीति साझेदारी और अनुभव आदान-प्रदान मजबूत होगा। आतंकवाद- रोधी दक्षता बढ़ेगी, आत्मविश्वास मजबूत होगा। यह अभ्यास भारत-श्रीलंका रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई देगा, पड़ोसी देशों के बीच विश्वास और मित्रता को सुदृढ़ करेगा।

ट्रंप ने दिया टैरिफ कम करने का संकेत... इधर भारत यात्रा को तैयार हो रहे पुतिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद पहली बार कहा है कि वे टैरिफ को कम करने वाले हैं, क्योंकि भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील करीब-करीब पक्की होने वाली है। उन्होंने ये गुड न्यूज भारत में अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर के शपथ समारोह में कही। इस दौरान वे भारत के साथ अमेरिका के रिश्ते सुधारने पर भी जोर देते दिखाई दिए, लेकिन उन्होंने एक बार फिर रूसी तेल का मुद्दा छेड़ दिया।

इस बीच रूस की ओर से पुष्टि की गई है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। क्रेमलिन की ओर से बताया गया हैं कि पुतिन की भारत यात्रा की तैयारियां तेजी से चल रही हैं और साल 2025 के अंत से पहले ही इसके होने की उम्मीद है। पुतिन की यात्रा से ये बात साफ हो जाएगी कि ट्रंप के रूसी तेल खरीद वाले दावों में कितना दम है, क्योंकि न भारत और न ही रूस ने इसपर कोई बयान दिया है।

क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि हम पुतिन की भारत यात्रा की सक्रिय तैयारी कर रहे हैं, जो इस साल के अंत से पहले होने की योजना में है। रिपोर्टों के मुताबिक इस शिखर बैठक के दौरान भारत और रूस के बीच एक लेबर मोबिलिटी एग्रीमेंट पर दस्तखत हो सकते हैं। समझौते के तहत आने वाले वर्षों में भारतीय नागरिकों को रूस में आधिकारिक तौर पर रोजगार मिलने की संभावना और बढ़ेगी। हालांकि पेस्कोव ने कहा कि समझौतों से जुड़ी आधिकारिक घोषणाएं समय आने पर होगी।

यह यात्रा खास इसलिए भी होगी क्योंकि पुतिन की यह 2021 के बाद पहली भारत यात्रा होगी। इससे पहले दोनों नेता इस साल 1 सितंबर को चीन के तिआनजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान मिले थे। भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी समझौता 3 अक्टूबर 2000 को हुआ था, जो आज भी दोनों देशों के रिश्तों की मजबूत नींव है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भी भारत को लेकर अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार वार्ताएं अच्छे स्तर पर हैं और यह भी दावा किया कि भारत ने रूसी तेल की खरीद में भारी कमी की है।

ट्रंप ने भारत के नए अमेरिकी राजदूत गोर के शपथ ग्रहण समारोह में कहा कि हम भारत के साथ एक नया और बेहतर समझौता करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सबके लिए फायदेमंद सौदे के करीब हैं। इस दौरान ट्रंप पीएम मोदी की तारीफ कर कहा कि वे पीएम मोदी के साथ नियमित संपर्क में हैं और दोनों देशों के रिश्ते पहले से कहीं बेहतर हो रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बोलीविया में भारतीय दूतावास की नई इमारत का उद्घाटन

सुक्रे, एजेंसी। विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने बोलीविया में भारत के दूतावास के नए चांसरी भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि नई इमारत दोनों देशों की दोस्ती को और गहरा करेगी। अपने दौरे के दौरान उन्होंने बोलीविया के कारोबारी संगठनों और उद्यमियों से मुलाकात कर खनिज, वस्त्र, पर्यटन और दवा क्षेत्र में व्यापार बढ़ाने पर चर्चा की। मार्गेरिटा ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की।

बर्लिन में बलूचों पर अत्याचारों को लेकर पाकिस्तान की निंदा

बर्लिन , एजेंसी। बलूच नेशनल मूवमेंट ने बर्लिन में बलूच शहीद दिवस मनाया, जिसमें कई देशों के नेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान बलूचिस्तान पर किए गए अत्याचारों को लेकर पाकिस्तान की निंदा की गई। वक्ताओं ने कहा कि पाकिस्तान दशकों से बलूच जनता पर दमन कर रहा है और क्षेत्र में सैन्य कब्जा, संसाधनों के दोहन की स्थिति लगातार बनी हुई है। बीएनएम प्रमुख डॉ. नसीम बलूच ने 1948 के हमले को दमन की शुरुआत बताया और कहा कि बलूच प्रतिरोध आज भी मजबूत है।

सलमान रुश्दी को मिला डेटन पीस प्राइज का आजीवन सम्मान

ओहायो, एजेंसी। मशहूर लेखक सलमान रुश्दी को रविवार को अमेरिका के ओहायो में आयोजित डेटन लिटरेरी पीस प्राइज समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उस समय मिला है जब उन्होंने तीन साल पहले न्यूयॉर्क में हुए हमले के बाद अपनी पहली नई किताब प्रकाशित की है। यह पुरस्कार उन लेखकों को दिया जाता है, जो अपनी रचनाओं के जरिए शांति, मानवीय मूल्यों और संवाद को बढ़ावा देते हैं। हर साल इसमें फिक्शन, नॉन-फिक्शन और आजीवन उपलब्धि के लिए अलग-अलग सम्मान दिए जाते हैं। 78 वर्षीय सलमान रुश्दी अपनी विवादित किताब 'द सैटेनिक वर्सेज' के लिए जाने जाते हैं। 1988 में आई इस किताब के बाद ईरान के धर्मगुरु अयातुल्ला खुमैनी ने 1989 में उनके खिलाफ मौत का फतवा जारी किया था, जिसके बाद रुश्दी को लंबे समय तक छिपकर रहना पड़ा था।

शटडाउन के 40वें दिन पूरे, अमेरिका में 2,000 से अधिक उड़ानें रद्द

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार का शटडाउन 40वें दिन पहुंच चुका है। इसके कारण देश भर में 2,000 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और 8,000 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई। यह आंकड़े उड़ानें ट्रैक करने वाली वेबसाइट फ्लाइट अवेयर के अनुसार हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, शुक्रवार से अमेरिका के विमानन विभाग द्वारा उड़ानों में कटौती की नीति लागू की गई। इसके बाद उड़ानें रद्द होने की संख्या तेजी से बढ़ी है। गुरुवार को जहां 202 उड़ानें रद्द हुई थीं, वहीं शुक्रवार को यह संख्या बढ़कर 1,025 हो गई और शनिवार को 1,566 उड़ानें रद्द करनी पड़ी। शटडाउन शुरू होने के बाद से कई एयर ट्रैफिक कंट्रोलर छुट्टी पर चले गए, जिससे बाकी कर्मचारियों पर अतिरिक्त काम का बोझ बढ़ गया है। परिवहन विभाग और विमानन प्राधिकरण ने देश के 40 बड़े हवाईअड्डों पर उड़ानों की संख्या में 10 प्रतिशत की कमी करने का फैसला किया है, ताकि कर्मचारियों पर दबाव कम हो और हवाई क्षेत्र की सुरक्षा बनी रहे। परिवहन मंत्री सीन डफी ने रविवार को सीएनएन को बताया कि स्थिति आगे और खराब हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि थैंक्सगिविंग (अमेरिका का प्रमुख त्योहार) से पहले हवाई यात्रा बहुत कम हो सकती है। राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक ने भी कहा कि अगर लोग थैंक्सगिविंग के दौरान यात्रा नहीं कर पाए, तो साल की चौथी तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

पाकिस्तान : खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मस्जिद के अंदर अज्ञात बंदूकधारियों ने की पुलिसकर्मी की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। स्थानीय पुलिस ने बताया कि पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने एक मस्जिद के अंदर एक पुलिस हेड कांस्टेबल की हत्या कर दी। हेड कांस्टेबल शाह नवाज की अफगानिस्तान की सीमा से लगे टैंक जिले के गुल इमाम पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले मोहम्मद अकबर गांव में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार मारे गए अधिकारी छुट्टी पर थे और नमाज के दौरान जब हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाया, तब वे घर लौटे थे। रेस्क्यू 1122 टीमों ने शव को जिला मुख्यालय अस्पताल (डीएचक्यू) टैंक पहुंचाया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस अधिकारी और कर्मचारी इस क्षेत्र के आतंकवादी संगठनों के निशाने पर हैं। घटना के तुरंत बाद पुलिस और सुरक्षा बलों की भारी टुकड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। इलाके की घेराबंदी की और अपराधियों का पता लगाने के लिए जांच और तलाशी अभियान शुरू किया।

डोनाल्ड ट्रम्प हर अमेरिकी को 1.7 लाख देंगे:कहा- टैरिफ से बहुत पैसे आए हैं, इसका विरोध करने वाले मूर्ख

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर दावा किया कि टैरिफ से अरबों डॉलर की कमाई हो रही है। उन्होंने कहा कि इस कमाई से अमीरों को छोड़कर हर अमेरिकी नागरिक को 2,000 डॉलर (करीब 1.7 लाख रुपए) का डिविडेंड मिलेगा।

ट्रम्प ने पोस्ट में टैरिफ के आलोचकों को मूर्ख करार दिया। उन्होंने कहा, टैरिफ के खिलाफ बोलने वाले लोग मूर्ख हैं। हमारी सरकार ने अमेरिका को दुनिया का सबसे अमीर और सम्मानित देश बना दिया है, जहां महंगाई न के बराबर है और शेयर बाजार रिकॉर्ड स्तर पर है। हालांकि, ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि ये प्रॉफिट किसे मिलेगा, इसकी पात्रता मानदंड (जैसे आय सीमा क्या होगी?) या समयसीमा पर कोई साफ जानकारी नहीं दी। यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने ऐसा वादा किया। अक्टूबर में उन्होंने 1,000 से 2,000 डॉलर के छूट का संकेत दिया था।

ट्रम्प बोले- टैरिफ के कारण व्यवसाय अमेरिका में आ रहे : टैरिफ से हो रहे प्रॉफिट के अलावा ट्रम्प ने व्यापार मामलों में राष्ट्रपति के पावर की सीमाओं पर सवाल उठाते हुए गुस्सा जताया। उन्होंने कहा अमेरिका के राष्ट्रपति के पास किसी विदेशी देश के साथ सभी व्यापार को रोकने की अनुमति है, दूसरे देश को लाइसेंस देने की अनुमति है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए टैरिफ लगाने की अनुमति नहीं है। ट्रम्प ने कहा- दूसरे देश हम पर टैरिफ लगा सकते हैं, लेकिन हम उनपर नहीं।

सिर्फ टैरिफ की वजह से ही व्यवसाय अमेरिका में आ रहे हैं। टैरिफ के बिना हमारे पास कुछ भी नहीं है। क्या सुप्रीम कोर्ट यह नहीं समझता। ट्रम्प का कहना था कि अप्रैल 2025 में घोषित टैरिफ (10% से 50%) अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है। व्हाइट हाउस ने तर्क दिया कि 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत राष्ट्रपति को व्यापार कंट्रोल करने की शक्ति है, जिसमें टैरिफ लगाना शामिल है। सॉलिसिटर जनरल जॉन सावर ने चेतावनी दी कि अगर ये नीति रद्द हुई तो आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा नुकसान हो सकता है।

कोर्ट बोला- टैरिफ लगाने की शक्ति संसद के पास : अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैरकानूनी बताया है। 5 नवंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट की लिबरल जस्टिस सोनिया सोतोमेयर ने संविधान का हवाला देकर कहा था कि टैक्स लगाने की शक्ति संसद की है, न कि राष्ट्रपति की। ट्रम्प ने चीन, कनाडा, मेक्सिको जैसे देशों पर व्यापार घाटे और अन्य कारणों से टैरिफ लगाए थे। ट्रम्प ने इन कानूनों को अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम के तहत सही ठहराया था। उनका कहना था कि व्यापार असंतुलन अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और इसलिए उन्होंने व्यापार पर 'नेशनल इमरजेंसी' घोषित कर टैरिफ लगाए।

ट्रेजरी सेक्रेटरी बोली- हमारा फोकस कर्ज चुकाने पर है : ट्रम्प के दावों पर अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेन्ट ने ब्लूमबर्ग न्यूज को दिए इंटरव्यू में सफाई दी। उन्होंने कहा कि उनकी ट्रम्प से इस डिविडेंड पर चर्चा नहीं हुई है। लेकिन शायद यह राशि टैक्स में कटौती के रूप में आ सकती है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बेसेन्ट का फोकस कर्ज चुकाने पर है, न कि डायरेक्ट चेक बांटने पर। अगस्त में उन्होंने सीएनबीसी को बताया था कि टैरिफ राजस्व से 38.12 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज को कम किया जाएगा।

रिपोर्ट- ट्रम्प का प्लान कर्ज बढ़ा सकता है ट्रेजरी डिपार्टमेंट के सितंबर के बयान के अनुसार, फाइनेंशियल ईयर 2025 में टैरिफ से केवल 195 अरब डॉलर की आय हुई। अगर 2,000 डॉलर प्रति व्यक्ति (लगभग 25 करोड़ गैर-अमीर अमेरिकियों को) बांटे जाएं, तो लागत करीब 500 अरब डॉलर होगी जो मौजूदा आय से कहीं ज्यादा है। अमेरिका पर 3,200 खरब रुपए कर्ज, दुनिया में सबसे ज्यादा अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज (नेशनल डेब्ट) नवंबर 2025 तक लगभग 38 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 3,200 खरब रुपए) हो चुका है, जो दुनिया का सबसे बड़ा कर्ज है। यह कर्ज ट्रेजरी सिक्योरिटीज (सरकारी बॉन्ड्स) के रूप में बंटा हुआ है। कुल कर्ज का करीब 70% अमेरिकी संस्थाओं (घरेलू) के पास है, जबकि 30% विदेशी देशों और निवेशकों के पास। विदेशी हिस्सा लगभग 8-9 ट्रिलियन डॉलर का है। जापान अमेरिका का सबसे बड़ा लेनदार है, जो अमेरिकी बॉन्ड्स को सुरक्षित निवेश मानता है। वहीं, चीन का हिस्सा घट रहा है (पहले 1 ट्रिलियन से ज्यादा था)। यह कर्ज अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लगभग (30 ट्रिलियन डॉलर) का 120% से ज्यादा है, जो चिंता का विषय है। बढ़ते कर्ज से ब्याज भुगतान पर सालाना 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च हो रहा है। ट्रम्प ने 100 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाया था ट्रम्प ने 5 मार्च को अमेरिकी संसद के जॉइंट सेशन में दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि हमारी इकोनॉमी लगातार घाटे में जा रही है। इस नुकसान से बचने के लिए हम उन सभी देशों पर टैरिफ लगाएंगे, जो हमारे सामानों पर टैरिफ लगाते हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने करीब एक महीने बाद 2 अप्रैल को भारत समेत 69 देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। यह 9 अप्रैल से लागू होने वाला था, लेकिन ट्रम्प ने तब इसे टाल दिया। बाद में 31 जुलाई को ट्रम्प ने 100 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाया, जो अगस्त में पूरी तरह लागू हो गया।

रूस करेगा न्यूक्लियर टेस्ट ? राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खास ने बताया मॉस्को का प्लान

मास्को, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परमाणु हथियार परीक्षणों पर दिए गए बयान पर मॉस्को ने पलटवार किया है। रूस ने साफ-साफ कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने परमाणु परीक्षण का कोई आदेश नहीं दिया है। रूस सामूहिक विनाश के हथियारों के परीक्षण पर प्रतिबंध लगाने के प्रति कटिबद्ध बना हुआ है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने रूसी टीवी चैनल को बताया कि पुतिन ने बार-बार स्पष्ट किया है कि रूस परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि के तहत अपने सभी दायित्वों का पालन कर रहा है और हम इसे तोड़ने का इरादा नहीं रखते। पेस्कोव ने आगे कहा कि अगर वाशिंगटन परमाणु हथियारों का परीक्षण करता है, तो रूस को जवाबी कदम उठाने होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि परमाणु समता वैश्विक सुरक्षा ढांचे का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, खासकर वर्तमान परिस्थितियों में।

बता दें कि कि 29 अक्टूबर को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने घोषणा की थी कि उन्होंने युद्ध विभाग को हमारे परमाणु हथियारों का समान आधार पर परीक्षण शुरू करने का निर्देश दिया है। इस दौरान ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका के पास दुनिया के किसी अन्य देश से अधिक परमाणु हथियार हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था कि इस मामले रूस दूसरे स्थान पर है, जबकि चीन काफी पीछे तीसरे नंबर पर है, लेकिन अगले पांच वर्षों में वे बराबरी पर पहुंच जाएंगे। इधर,

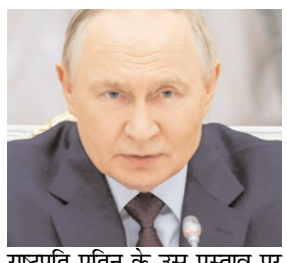

राष्ट्रपति पुतिन के उस प्रस्ताव पर टिप्पणी करते हुए (जिसमें START-III की समाप्ति के बाद भी सामरिक हथियारों पर मात्रात्मक प्रतिबंध जारी रखने की बात कही गई थी) विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रविवार को कहा कि मॉस्को वाशिंगटन से प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। लावरोव ने बताया कि न्यू स्टार्ट संधि समाप्त होने के बाद पुतिन द्वारा प्रस्तुत यह रचनात्मक पहल खुद में बहुत कुछ स्पष्ट करती है। इसमें कोई छिपा एजेंडा नहीं है और इसे समझना एकदम सरल है। इसके व्यावहारिक क्रियान्वयन के लिए किसी विशेष अतिरिक्त प्रयास की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। इसलिए, हमारे विचार पर गहन बहस की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी तक वाशिंगटन से कोई ठोस जवाब नहीं आया है। लावरोव ने आगे कहा कि राजनयिक चैनलों के माध्यम से हमें बताया गया है कि इस पर विचार चल रहा है। हम किसी को मनाने का प्रयास नहीं कर रहे। हमारा मानना है कि यह कदम दोनों देशों और समूचे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हित में है। हम किसी भी संभावित घटनाक्रम के लिए तैयार हैं, लेकिन उम्मीद करते हैं कि परिणाम सकारात्मक होंगे।

अमेरिका में सरकारी शटडाउन खत्म होने के करीब, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोले- समझौते पर बनी सहमति

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि सरकार का शटडाउन खत्म होने के करीब है। उन्होंने दावा किया कि व्हाइट हाउस और सीनेट नेताओं के बीच समझौता लगभग तय हो गया है, जिससे अमेरिकी सरकार फिर से कामकाज शुरू कर सकेगी। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा ऐसा लगता है कि हम शटडाउन के अंत के बहुत करीब हैं। हमने कभी भी कैदियों या अवैध रूप से देश में आने वालों को पैसे देने पर सहमति नहीं दी। डेमोक्रेट्स अब यह समझ चुके हैं और उम्मीद है कि सरकार का शटडाउन जल्द खत्म होगा। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, आठ डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने रिपब्लिकन नेताओं और व्हाइट हाउस के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत सरकार को दोबारा खोलने और कुछ प्रमुख एजेंसियों को फंडिंग देने पर सहमति बनी है। रिपोर्ट के अनुसार, यह समझौता अमेरिकी इतिहास के सबसे लंबे शटडाउन को समाप्त करेगा और जनवरी तक सरकार को अस्थायी रूप से फंडिंग प्रदान करेगा। रविवार रात को हुई इस डील में सीनेट मेजॉरिटी लीडर जॉन थ्यून, व्हाइट हाउस प्रतिनिधि, और तीन पूर्व गवर्नर जीन शाहीन (न्यू हैम्पशायर), एंगस किंग (मेन) और मैगी हसन (न्यू हैम्पशायर) शामिल थे। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस समझौते में रिपब्लिकन नेताओं की ओर से स्वास्थ्य सब्सिडी बढ़ाने की कोई गारंटी नहीं दी गई है। फिर भी, डेमोक्रेट्स को उम्मीद है कि आने वाले हफ्तों में इस पर समझौता हो सकता है। सीनेट रविवार रात 8:30 से 9 बजे (ईस्टर्न टाइम) के बीच इस प्रस्ताव पर मतदान कर सकती है। इसके बाद यह बिल हाउस में जाएगा और फिर ट्रंप के हस्ताक्षर के बाद लागू होगा। डेमोक्रेटिक नेताओं ने फिलहाल इस डील पर अपना आधिकारिक रुख नहीं बताया है। हालांकि, कुछ हाउस डेमोक्रेट्स ने इसे 'असंतोषजनक समझौता' बताया है। अगर यह डील पास हो जाती है, तो अमेरिकी सरकार कई दिनों के बाद फिर से कामकाज शुरू कर देगी, जिससे लाखों कर्मचारियों और सेवाओं को राहत मिलेगी।

कठिनाइयों का सामना कर रहे ट्रंप: जेलेंस्की-नाटो का नाम लेकर रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति को घेरा

मॉस्को, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रविवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यूक्रेन संकट के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों में वोलोदिमिर जेलेंस्की और नाटो सहयोगियों को मनाने में विपरीत परिस्थितियां झेलनी पड़ रही हैं। लावरोव की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ट्रंप के बीच हंगरी में होने वाली एक संभावित शिखर वार्ता के प्रयास असफल रहे। यह वार्ता 15 अगस्त को अलास्का के एंकोरेज में दोनों नेताओं की बैठक के बाद आगे बढ़ने वाली थी, लेकिन यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने पर कोई समझौता नहीं हो सका था।

लावरोव ने रूस की सरकारी समाचार एजेंसी रिया नोवोस्ती को दिए इंटरव्यू में कहा, अमेरिकियों ने तब (एंकोरेज शिखर बैठक के दौरान) हमें आश्वासन दिया था कि वे सुनिश्चित करेंगे कि जेलेंस्की शांति की दिशा में बाधा नहीं डालेंगे। जाहिर है, इस मुद्दे पर कुछ कठिनाइयां पैदा हो गई हैं।

उन्होंने आगे कहा, जहां तक हम जानते हैं, ब्रसेल्स और लंदन अब वॉशिंगटन को यह समझाने का प्रयास कर रहे हैं कि संकट को राजनीतिक और कूटनीतिक माध्यमों से सुलझाने की मंशा को त्याग दे और रूस पर सैन्य दबाव डालने की कोशिशों में पूरी तरह से शामिल हो जाए। यानी संघर्ष समर्थक दल का हिस्सा बन जाएं।

लावरोव ने यह भी कहा कि एंकोरेज सम्मेलन में हुए समझौते के बावजूद, मॉस्को अपने बुनियादी सिद्धांतों पर कायम है। रूस की क्षेत्रीय अखंडता और क्रीमिया, डोनबास व नोवोरोसिया के निवासियों की पसंद पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, हम अब अमेरिका से इस बात की पुष्टि की प्रतीक्षा कर रहे हैं कि एंकोरेज समझौते अभी भी प्रभावी हैं। पुतिन कई बार यह कह चुके हैं कि रूस सिर्फ दीर्घकालिक समाधान का समर्थन करता है, न कि अस्थायी युद्धविराम का। उनका मानना है कि ऐसा समाधान तभी संभव है जब संघर्ष के मूल कारणों का समाधान किया जाए।

इसी बीच, रूसी सेना ने यूक्रेन में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहरों पोक्रोव्स्क (क्रास्नोआर्मेइस्क) और कुपियांस्क पर कब्जा करने की कोशिशें तेज कर दी हैं, जहां लगभग 10,000 यूक्रेनी सैनिक और नाटो सलाहकार घिरे हुए हैं।

ब्रिटेन ने बेल्जियम भेजे सैन्य उपकरण और विशेषज्ञ : ब्रिटेन ने बेल्जियम के हवाई अड्डों के पास ड्रोन देखे जाने की घटनाओं के बाद वहां सैन्य विशेषज्ञों और सैन्य उपकरणों को भेजा है। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते ब्रसेल्स के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और यूरोप के सबसे बड़े कार्गो केंद्रों में से एक- लीज हवाई अड्डे को ड्रोन देखे जाने की वजह से अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा था।

यह घटनाएं उस समय हुईं जब अमेरिकी परमाणु हथियारों वाले एक सैन्य अड्डे के पास भी अज्ञात ड्रोन उड़ानें देखी गईं। ब्रिटेन की सशस्त्र सेनाओं के प्रमुख एयर चीफ मार्शल रिचर्ड नाइटन ने बीबीसी से कहा कि बेल्जियम के अनुरोध पर ब्रिटेन ने अपने लोग और उपकरण बेल्जियम भेजने का फैसला किया है ताकि हम उनकी मदद कर सकें। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता, और बेल्जियम को भी अभी तक पता नहीं है कि ये ड्रोन कहां से आ रहे हैं, लेकिन हम अपनी तकनीकी क्षमता और उपकरणों के साथ उनकी सहायता कर रहे हैं। यह प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है।

गाजा संघर्ष पर मिस्र और कतर का साझा संकल्प, सीजफायर को स्थायी बनाने की कोशिशें तेज

काहिरा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शांति योजना के तहत गाजा पट्टी और इजरायल के बीच युद्ध विराम के बाद गाजा में शुरुआती पुनर्निर्माण और राहत कार्यों को प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाने की कोशिशें जारी हैं। इस बीचगाजा पट्टी में युद्धविराम को मजबूत करने और स्थायी शांति की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और कतर के प्रधानमंत्री व विदेशमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी ने बातचीत की। दोनों नेताओं ने इस दिशा में मिलकर काम जारी रखने का संकल्प जताया। साथ ही वेस्ट बैंक की स्थिति पर चिंता जताईकी। दोनों नेताओं ने इजरायल द्वारा किए जा रहे सभी अवैध बस्तियों के विस्तार और लगातार हो रहे उल्लंघनों की निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम शांति की संभावनाओं को कमजोर करते हैं और तनाव को बढ़ाते हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने मिस्र के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान का हवाला देते हुए कहा कि फोन पर बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने गाजा को लेकर चल रही ताजा राजनीतिक हलचलों और अमेरिकी राष्ट्रपति की शांति योजना के क्रियान्वयन पर चर्चा की। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने जोर दिया कि वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी के बीच एकता बनाए रखना बेहद जरूरी है ताकि फिलिस्तीनी क्षेत्रों की भौगोलिक और राजनीतिक अखंडता बरकरार रहे। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीनी जनता को अपने मामलों का संचालन स्वयं करना चाहिए और निर्णय लेने की प्रक्रिया में एकता बनाए रखनी चाहिए। बातचीत के दौरान गाजा में अंतरराष्ट्रीय बलों की तैनाती को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में चल रही परामर्श प्रक्रिया पर भी विचार किया गया। मिस्र और कतर दोनों ने इस बात पर सहमति जताई कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय बल की भूमिका और अधिकार स्पष्ट रूप से तय होने चाहिए ताकि गाजा में शुरुआती पुनर्निर्माण और राहत कार्य प्रभावी रूप से आगे बढ़ सकें। इजरायल और हमास के बीच दो साल से जारी संघर्ष के बाद 10 अक्टूबर को युद्धविराम पर सहमति बनी थी। इस बहुप्रतीक्षित समझौते में मिस्र, कतर, तुर्की और अमेरिका ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रस्तावित शांति योजना के अनुसार, गाजा में सुरक्षा की जिम्मेदारी धीरे-धीरे इजरायली सेना को हटाकर एक अस्थायी अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल को सौंपी जाएगी। वाशिंगटन इस बल में मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, इंडोनेशिया, तुर्की और अजरबैजान जैसे देशों की भागीदारी को लेकर चर्चा कर रहा है।

आसिम मुनीर कैसे पाकिस्तान में कर रहे 'साइलेंट तख्तापलट', फिर लौटा 50 साल पुराना खौफ

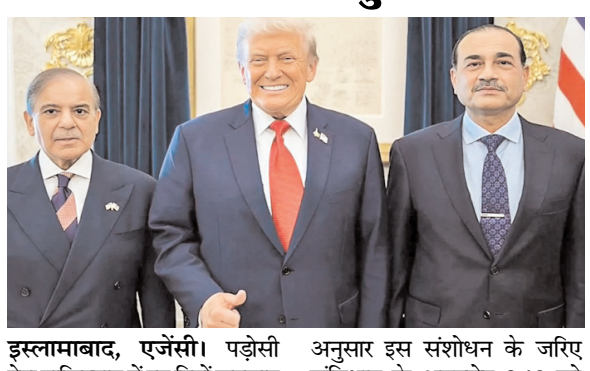

इस्लामाबाद, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान में इन दिनों चुपचाप बहुत कुछ बदल रहा है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद फील्ड मार्शल बन गए। फिर उनकी वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात होती है और दोनों देशों के बीच संबंध अचानक बदल जाते हैं। पीएम शहबाज शरीफ से ज्यादा आसिम मुनीर को तवज्जो मिलने से साफ था कि उनका कद अब आर्मी चीफ से कहीं ज्यादा है। भले ही परदे के पीछे से वह काम कर रहे हैं, लेकिन वही वास्तविक सरकार हैं। अब तो पाकिस्तान में संविधान में ही एक बदलाव हो रहा है, जिसकी तुलना साइलेंट तख्तापलट से की जा रही है और कहा जा रहा है कि इसके बाद तो हर तरह से सुप्रीम पावर आसिम मुनीर ही होंगे। पाकिस्तान में पहले भी सैन्य शासन आते रहे हैं, लेकिन इस बार आसिम मुनीर राजनीतिक नेतृत्व को मोहरा बनाए रखते हुए सत्ता चलाने की जुगत में हैं। इसी के तहत पाकिस्तान के संविधान में 27वां संशोधन कराया जा रहा है और इस पर संसद में वोटिंग होनी है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार इस संशोधन के जरिए संविधान के अनुच्छेद 243 को बदला जाएगा। इससे पूरी पावर ही आसिम मुनीर के हाथ होगी। वह थल सेना, नेवी और एयरफोर्स के जॉइंट चीफ होंगे। परमाणु हथियार उनके ही कंट्रोल में होंगे और फील्ड मार्शल का जो पद उन्हें मिला है, उसे संविधान में स्थायी कर दिया जाएगा।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का पद ही खत्म, पूरी पावर मुनीर के हाथ : डॉन की एक खबर के अनुसार यदि ये बदलाव हुए तो फिर पाकिस्तान में सेना प्रमुख ही सुप्रीम कमांडर होगा। पाकिस्तान में जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के चेयरमैन साहिर शमशाद मिर्जा का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। अब यह पद ही खत्म कर दिया जाएगा और उनकी शक्तियां भी फील्ड मार्शल के पास होंगी। इस तरह सर्वेसर्वा आसिम मुनीर हो जाएंगे। इसका सीधा अर्थ होगा कि आसिम मुनीर ही थल सेना के चीफ होंगे और उनका ही नेतृत्व एयरफोर्स और नेवी में भी होगा। संविधान में इन बदलावों को लेकर पाकिस्तान में जिया उल हक के दौर वाला खौफ है।

मलयेशिया के पास रोहिंग्या शरणार्थियों को ले जा रही नाव पलटी, सात लोगों की मौत; 13 को बचाया गया

कुआलालंपुर, एजेंसी। म्यांमार से लगभग 300 प्रवासियों को ले जा रही एक नाव हिंद महासागर में थाईलैंड और मलयेशिया की समुद्री सीमा के पास पलट गई। राहतकर्मियों ने सात शव बरामद किए और 13 लोगों को जीवित बचा लिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। मलयेशियाई समुद्री प्रवर्तन एजेंसी के अधिकारी फर्स्ट एडमिरल रोमली मुस्तफा ने बताया कि शुरुआत में पता चला है कि नाव म्यांमारके रखाइन प्रांत के बुथिडॉन्ग शहर से करीब तीन सौ लोगों को लेकर रवाना हुई थी। पुलिस और समुद्री एजेंसी ने कहा कि जब नाव मलयेशिया के पास पहुंची, तो यात्रियों की तीन छोटी नावों में बांट दिया गया। इनमें से एक नाव गुरुवार को थाईलैंड के दक्षिण हिस्सो हिस्से में तारुताओ द्वीप के पास डूब गई। कुछ शव और बचे हुए लोग मलेशिया के उत्तरी हिस्से के लंगकावी द्वीप तक बहकर आ गए। अधिकारियों ने बताया कि घटना का सही समय और स्थान अभी पता नहीं चल पाया है। बाकी दो नावों का भी अब तक कुछ पता नहीं है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उत्तरी मलयेशिया के केदाह राज्य के पुलिस प्रमुख अदजली अबू शाह ने कहा कि बचाए गए लोगों में कुछ रोहिंग्या मुसलमान हैं, जो म्यांमार में लंबे समय से उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं। रोमली मुस्तफा ने चेतावनी दी कि सीमा पार गिरोह अब खतरनाक समुद्री रास्तों का इस्तेमाल करते हुए प्रवासियों का शोषण करने में अधिक सक्रिय हो गए हैं। समुद्री एजेंसी ने बताया कि शनिवार को बचाव दल ने समुद्र से 10 प्रवासियों को जिंदा निकाला और एक महिला का शव बरामद किया। रविवार को छह और शव मिले और तीन और लोगों को जीवित बचाया गया। एजेंसी ने कहा कि खोज का दायरा बढ़ा दिया गया है और सोमवार को भी तलाश जारी रहेगी। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) ने क्षेत्रीय सरकारों से अपील की है कि वे खोज और बचाव

अभियानों को तेज करें और ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए कदम उठाएं। यूएनएचसीआर के प्रवक्ता डिओगो अलकांतारा ने बताया कि इस साल अब तक करीब 5,200 रोहिंग्या शरणार्थी खतरनाक समुद्री यात्राओं पर निकले हैं, जिनमें से लगभग 600 लोग लापता या मृत बताए जा रहे हैं। जनवरी में मलयेशियाई अधिकारियों ने दो नावों को देश में प्रवेश करने से रोक दिया था, जिनमें करीब 300 रोहिंग्या मुस्लिम शरणार्थी सवार थे। ये लोग अवैध रूप से मलयेशिया में घुसने की कोशिश कर रहे थे। मलयेशिया मुस्लिम बहुल देश होने के कारण रोहिंग्या प्रवासियों का पसंदीदा गंतव्य माना जाता है। मलयेशिया पहले मानवीय आधार पर कुछ रोहिंग्या शरणार्थियों को शरण दे चुका है। लेकिन अब वह उनकी संख्या सीमित करने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि लोगों के बड़े पैमाने पर नावों से आने का खतरा बढ़ गया है। मलयेशिया में वर्तमान में यूएनएचसीआर के साथ पंजीकृत लगभग 1,17,670 रोहिंग्या शरणार्थी हैं, जो देश की कुल शरणार्थी आबादी का लगभग 59 फीसदी हिस्सा हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम-जनमन मिशन में गुजरात अव्वलः आदिवासी उत्थान का नया मॉडल बना राज्य

कमजोर जनजातीय समूह के सर्वांगीण विकास के लिए गुजरात को मिला 'बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट' का सम्मान

अहमदाबाद

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) की अपेक्षित जरूरतों एवं सुविधाओं की पूर्ति कर उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) मिशन कार्यान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में, पीएम-जनमन के क्रियान्वयन में गुजरात देश का शीर्ष राज्य बना है। भारत सरकार की ओर से पीएम-जनमन के कार्यान्वयन के संदर्भ में देश के अलग-अलग राज्यों की प्रगति को ध्यान में रखकर घोषित की गई रैंकिंग में गुजरात पहले स्थान पर है। भारत सरकार की ओर से 17 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुजरात राज्य को 'बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट' का पुरस्कार दिया। गुजरात की यह उपलब्धि दर्शाती है कि आदिवासियों के विकास और कल्याण के लिए राज्य सरकार मजबूत प्रयास कर रही है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर, 2023 को 'जनजातीय गौरव दिवस' के अवसर पर देश के 18 राज्यों और 1 केंद्रशासित प्रदेश में बसे 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) का सर्वांगीण सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) मिशन की शुरुआत की थी। इस मिशन का उद्देश्य निश्चित समयसीमा में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों को स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, बिजली, आजीविका और कनेक्टिविटी जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान कर उनका सामाजिक उत्थान करना है। गुजरात में ऐसे 5 विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह रहते हैं, जिनमें काथोडी, कोटवाळिया, पढार, सिद्दी और कोलघा समूह शामिल हैं। राज्य सरकार ऐसे समूहों की आवश्यक बुनियादी सुविधाओं को पूरा करने के लिए निरंतर कार्यरत है।

पीएम-जनमन मिशन के तहत विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों की आवश्यक बुनियादी सुविधाओं को पूरा किया जाता है, जिनमें आवास, सड़क की कनेक्टिविटी, पाइपलाइन से जल आपूर्ति, स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं, महिलाओं के लिए आंगनबाड़ियों का निर्माण, विद्युतीकरण, मोबाइल टावर की स्थापना, वन धन विकास केंद्र और बहुउद्देश्यीय केंद्रों की स्थापना शामिल हैं।

दिल्ली धमाके पर कई देशों ने दी प्रतिक्रिया, शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली

दिल्ली में भीषण धमाके के बाद दुनिया के कई देशों ने गहरा शोक व्यक्त किया है और भारत के साथ एकजुटता दिखाई है।

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भी इस घटना पर शोक जताते हुए कहा कि दिल्ली में हुए धमाके में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। इस कठिन समय में मालदीव भारत के साथ एकजुटता में खड़ा है। बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह ने कहा कि उनका देश इस दुखद घड़ी में भारत के साथ है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति सहानुभूति जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

अमेरिकी विदेश विभाग के दक्षिण और मध्य एशिया मामलों के ब्यूरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- 'दिल्ली में हुए भयानक विस्फोट से प्रभावित लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। हम स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों को लाल किला और चांदनी चौक क्षेत्र से दूर रहने, भीड़ से बचने और स्थानीय मीडिया से अपडेट लेने की सलाह दी है।ईरान के दूतावास ने भी एक बयान जारी कर कहा- 'दिल्ली में कार ब्लास्ट में कई भारतीय नागरिकों की मौत और चोट लगने से हम गहरे दुखी हैं। भारत सरकार और जनता के प्रति हमारी संवेदना है। हम मृतकों के परिवारों के प्रति दिल से सहानुभूति प्रकट करते हैं।' इसके अलावा जापान, ब्रिटेन और अर्जेंटीना के राजदूतों ने भी ट्वीट कर भारत और पीड़ित परिवारों के प्रति शोक और एकजुटता प्रकट की।

गृहमंत्री अमित शाह ने बताया कि धमाका शाम करीब 7 बजे सुभाष मार्ग ट्रैफिक सिग्नल पर हुआ।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच और स्पेशल ब्रांच की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं और जांच जारी है। हालांकि अब तक इस धमाके की जिम्मेदारी किसी भी आतंकी संगठन ने नहीं ली है लेकिन देशभर में आतंकी मॉड्यूल को लेकर खोजबीन जारी है। लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में हुए विस्फोट में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हुए।

धमाका इतना जोरदार था कि आसपास खड़ी कई गाड़ियां जलकर खाक हो गईं। इस घटना के बाद पूरे देश में दुख और दहशत का माहौल है। धमाके के बाद सबसे पहले अमेरिका ने संवेदना व्यक्त की।

कांग्रेस के लिए नाक का सवाल कुटुम्बा सीट, कांग्रेस अध्यक्ष के सामने एनडीए से ललन राम

औरंगाबाद

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण में कुटुम्बा विधानसभा सीट पर 11 नवंबर को दूसरे चरण के तहत मतदान हो रहा है। यह सीट इस बार कांग्रेस के लिए नाक का सवाल बन गई है, क्योंकि यहां से बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ राजेश राम मैदान में हैं। उन्हें हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) के उम्मीदवार ललन राम से कड़ी टक्कर मिल रही है। इसके अलावा जन सुराज पार्टी के श्याम बलि राम भी मुकाबले को त्रिकोणीय बना रहे हैं। इस सीट पर सुबह से ही वोटिंग के लिए लाइनें लगी हैं। कुटुम्बा सीट पर सुबह 11 बजे तक 33.40 फीसदी मतदान हो चुका है। पोलिंग बूथ पर मतदाताओं की लाइनें लगी हैं।

राजेश कुमार 2015 और 2020, दोनों विधानसभा चुनावों में कुटुम्बा सीट से जीत चुके हैं। इस बार वे हैट्रिक के इरादे से मैदान में हैं। बीते चुनाव में उन्हें विरोधी दलों के वोटों के बंटवारे का लाभ मिला था, लेकिन इस बार समीकरण बदल गए हैं।

वहीं, एनडीए ने अपने पत्ते सोच-समझकर खेलकर ललन राम को उम्मीदवार बनाया है। वर्ष 2010 में ललन राम जदयू विधायक रहे हैं। और 2020 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में उन्होंने 20,000 से अधिक वोट पाकर अपनी लोकप्रियता साबित की थी। इसके बाद एनडीए को उम्मीद है कि उनकी व्यक्तिगत छवि और गठबंधन की ताकत उन्हें जीत दिला सकती है।

बता दें कि कुटुम्बा विधानसभा सीट पर बार कुल 11 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिसमें तीन निर्दलीय शामिल हैं। मुख्य दलों के अलावा, बसपा, जन सुरक्षा पार्टी, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम), राष्ट्रवादी जन लोक पार्टी (सत्य), जनसुराज पार्टी और शोषित समाज दल के उम्मीदवार भी मैदान में हैं।

साइबर आरोपियों ने बुजुर्ग से 16.82 लाख रुपये की ठगी की

मुंबई

महाराष्ट्र के ठाणे शहर में हुई एक धोखाधड़ी (ठगी) की घटना से संबंधित है। ठाणे के वर्तक नगर इलाके का एक 50 वर्षीय कारोबारी (बुजुर्ग)। आरोपियों ने नारियल के व्यापार में भारी मुनाफे का झांसा देकर और पार्टनरशिप का प्रस्ताव रखकर पीड़ित से निवेश करवाया। साइबर आरोपियों ने बुजुर्ग से 16.82 लाख रुपये की ठगी की है। साइबर ठगी का यह काम सितंबर से दिसंबर 2024 के बीच किया गया। पुलिस ने बताया कि इस पूरे मामले में चार आरोपी शामिल बताए जा रहे है। आरोपियों ने भरोसा जीतने के लिए शुरुआत में पीड़ित को 1.59 लाख की आंशिक रकम दी। जब पीड़ित ने बाकी पैसे और मुनाफे की मांग की, तो आरोपियों ने टालमटोल शुरू कर दी और बाद में भुगतान से साफ इंकार किया। पीड़ित ने वर्तक नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 406 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत मामला दर्ज किया है। तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है,

लेकिन पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है और उनकी तलाश जारी है। पुलिस अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि व्यापार या ऑनलाइन निवेश के नाम पर ऊंचे रिटर्न का लालच देकर ठगी के इसतरह के मामले हाल के दिनों में तेजी से बढ़े हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के निवेश प्रस्ताव पर बिना पुख्ता जांच किए भरोसा न करें।

पहले चरण के मतदान में जो बदलाव दिखा वह बड़ी लहर में बदल रहा

राजद नेता ने झा का दावा- बिहार के लोगों ने एनडीए को नकार दिया

नई दिल्ली

राजद नेता ने मनोज झा ने कहा कि बिहार में पहले चरण में जो बदलाव हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा था, वह अब बदलाव की लहर में बदल रहा है...पीएम, गृह मंत्री और अनगिनत अन्य मंत्रियों ने बिहार में माहौल बदलने की पूरी कोशिश की ताकि कोई भी रोजगार, पलायन या सामाजिक सुरक्षा पर चर्चा न कर सके। लेकिन बिहार अपने रुख से नहीं हटा है।राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा ने मंगलवार को बिहार चुनाव में महागठबंधन की जीत का विश्वास जताते हुए कहा कि पहले चरण के मतदान में जो बदलाव देखने को मिला वह एक बड़ी लहर में बदल गया है, जो

राज्य से एनडीए को उखाड़ फेंकेगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने नौकरियों, पलायन और सामाजिक सुरक्षा के मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए कई चुनावी हथकंडे अपनाए हैं, लेकिन बिहार के लोगों ने इन्हें नकार दिया है और अब असली मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मनोज झा ने हाल ही में दिल्ली में हुए बम धमाकों में हुई मौतों पर भी शोक व्यक्त किया और केंद्र सरकार से आग्रह किया कि घरेलू राजनीतिक मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा को न घसीटा जाए, कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सभी चिंतित हैं कि एक भी जान न जाए और किसी भी मौत को सिर्फ एक आंकड़े के रूप में देखा जाए।

दिल्ली विस्फोट में कांग्रेस नेता को दिख रहा बिहार चुनाव का लिंक.....हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण

भोपाल

दिल्ली में ऐतिहासिक लालकिला के बाहर हुए भीषण विस्फोट ने पूरे देश को दहला दिया। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हैं। धमाका इतना तेज था कि आसपास खड़े कई वाहन जलकर खाक हो गए। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां सभी एंगल से जांच में जुटी हैं और इलाके को सील किया है। वहीं इस संवेदनशील माहौल में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने केंद्र पर विस्फोटक आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मैं घटना को बिहार चुनाव में हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण करने के प्रयास के रूप में देख रहा हूं।

कांग्रेस नेता सिंह ने टवीट कर लिखा कि अमित शाह आप प्र

बिहार चुनाव में व्यस्त हैं और दिल्ली में लाल क़िले पर बम फट रहा है। एनएसए, आईबी, सीपी-दिल्ली क्या कर रहे थे? क्या इन लोगों पर जिम्मेदारी तय की जाएगी? क्या इन पर कोई कार्रवाई होगी? या फिर बिहार चुनाव में हिंदू मुस्लिम ध्रुवीकरण करने का प्रयास होगा? देखते हैं। जिन निर्दोष लोगों की जान चली गई उन सभी के परिवार जनों को हमारी संवेदनाएं। उनका यह बयान सामने आते ही सियासी हलकों में भूचाल आ गया। भाजपा नेताओं ने इस बयान को शर्मनाक और संवेदनहीन राजनीति बताकर कांग्रेस पर निशाना साधा। कई नेताओं ने कहा कि जब देश शोक में है, तब इस तरह के बयान जांच को प्रभावित करने वाले और राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश हैं। यह पहली बार नहीं है जब दिग्विजय सिंह ने इसतरह विवादित बयान दिए हों।

दिल्ली कार ब्लास्टः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की समीक्षा बैठक, दिए कड़ी कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में हुए कार ब्लास्ट के मामले में कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को दोहराते हुए अमित शाह ने कहा कि इस कृत्य में शामिल प्रत्येक व्यक्ति को कड़ी सजा का सामना करना पड़ेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली कार ब्लास्ट के बाद मंगलवार को शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर लिखा, ÷दिल्ली कार ब्लास्ट पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्हें इस घटना के पीछे के प्रत्येक दोषी की तलाश करने के निर्देश दिए। इस कृत्य में शामिल प्रत्येक व्यक्ति को हमारी एजेंसियों की कड़ी सज़ा का सामना करना पड़ेगा।÷ बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार डेका, दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के महानिदेशक (डीजी) सदानंद वसंत दाते शामिल हुए।

इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी कड़ा संदेश दे चुके हैं कि षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने भूटान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ÷मैं कल रात भर इस घटना की जांच में जुटी सभी एजेंसियों के साथ सभी महत्वपूर्ण लोगों के साथ संपर्क में था। विचार विमर्श चलता था। जानकारियों के तार जोड़े जा रहे थे। हमारी एजेंसियां इस षड्यंत्र की तह तक जाएंगी। इसके पीछे के षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा।÷

विस्फोट की जांच के लिए 500 से अधिक सुरक्षा अधिकारियों की एक टीम गठित की गई है, जबकि दिल्ली-एनसीआर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और प्रमुख प्रतिष्ठानों पर एनएसजी कमांडो

तैनात किए गए हैं।

दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसियां एक हजार से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही हैं।

उन्हें संदेह है कि कार विस्फोट ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने के इरादे से किया गया एक आत्मघाती हमला हो सकता है।

जांच एजेंसियां सोशल मीडिया गतिविधियों पर भी नजर रख रही हैं और दिल्ली भर के कई स्थानों से मोबाइल फोन का डंप डेटा इकट्ठा कर रही हैं।

दिल्ली में धमाका करने वालों को पकड़े जाने पर दी जाए फांसीः धीरेंद्र शास्त्री

नई दिल्ली

बागेश्वर धाम के आचार्य और कथा वाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास विस्फोट की घटना पर प्रतिक्रिया दी। हरियाणा के पलवल में पदयात्रा के दौरान उन्होंने कहा कि जब भी धमाके हुए, उसे कहीं ना कहीं एक कट्टरपंथी मजहबी विचारधारा के लोगों ने किया। हमेशा भारत को, भारत माता को, सनातन को टारगेट किया। उन्होंने कहा कि कल जो हुआ वह घोर निंदनीय और अमानवीय है। भगवान से प्रार्थना है कि जिनका शरीर पूरा हुआ उन्हें वे अपने चरणों में स्थान दें। हम उन्हें शोक संवेदना व्यक्त करते हैं।

धीरेंद्र शास्त्री ने अपील की कि कट्टर मजहबी पंथ की विचारधारा की सोच पर लगाम लगाने के लिए अब सनातनियों को एक होना पड़ेगा। तुम कितना भी भारतीयों को डरा दो, सनातनियों को डरा दो। ना हम डरेंगे और ना हम झुकेंगे। उन्होंने कहा कि इस देश में जब तक भारतीयों की एकता नहीं हो जाती है तब तक हम पदयात्रा करते रहेंगे। शास्त्री ने कहा कि हम सरकार से मांग करते हैं कि पकड़े जाने वालों को फांसी दी जाए। उन्होंने कहा कि यात्रा सुचारू रूप से चल रही है और निर्बाध रूप से जारी रहेगी। हरियाणा सरकार और केंद्र सरकार इस पर बारीकी से नजर रख रही हैं। हम सभी भक्तों से अपील करते हैं कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें।बता दें दिल्ली में सोमवार शाम को लाल किले के पास जोरदार धमाका हुआ। ह्यूंडई आई20 कार ट्रैफिक सिग्नल पर रुकते ही उसमें धमाका हो गया जिससे 13 लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा घायल हैं।

संक्षिप्त समाचार

नवादा जिले में कई राजनीतिक दलों के समर्थक भिड़े, वाहन में तोड़फोड़

एसपी ने कहा- स्थिति नियंत्रण में

पटना बिहार के नवादा जिले के वारिसलीगंज इलाके में मंगलवार को दूसरे और अंतिम चरण के मतदान में एक मतदान केंद्र के पास कई राजनीतिक दलों के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। नवादा के एसपी ने कहा कि मतदान केंद्र से करीब 1.5 किलोमीटर दूर कई राजनीतिक दलों के समर्थकों आपस में भिड़ गए। संबंधित अधिकारी और सुरक्षाकर्मी मौके पर मौजूद हैं और मामले की जांच की जा रही है। इलाके में स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और मतदान सुचारू रूप से जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसपी ने कहा कि चुनाव ड्यूटी में लगे एक सरकारी वाहन को क्षतिग्रस्त करने की अफवाहें पूरी तरह से निराधार हैं और दावा किया कि क्षतिग्रस्त वाहन एक निजी वाहन है और इसका चुनाव ड्यूटी से कोई लेना-देना नहीं है। झड़प का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में एक व्यक्ति यह कहते हुए सुना जा सकता है कि एक खास पार्टी के पक्ष में वोट न डालने पर उसके विरोधियों ने उसकी पिटाई कर दी। हालांकि हमारी संस्था इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करती। बता दें बिहार के 122 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान धीमी गति से चल रहा है, जहां मंगलवार सुबह 9 बजे तक 3.7 करोड़ मतदाताओं में से 14.55 फीसदी ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और 1,302 उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य का फैसला किया।

यमुनापार के इलाकों में जल रही कोयले-लकड़ी की भट्टियां, निगम कर रहा अनदेखी

धुआं हवा में मौजूद प्रदूषक कणों की बढ़ा रहा मात्रा, हवा हो रही जहरीली

पूर्वी दिल्ली प्रदूषण लोगों का दम घोंट रहा है। ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के तहत पाबंदियां लागू हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका पालन होता नहीं दिख रहा है। यमुनापार के कई इलाकों में अब भी ढाबों पर कोयला और लकड़ी से खाना पकाया जा रहा है, जिससे प्रदूषण बढ़ने का खतरा बना है। सोमवार को नंद नगरी इलाके में सड़क किनारे एक ढाबे पर खुलेआम लकड़ी की भट्टी में सब्जियां पकाई जा रही थीं। वहीं गुरु अंगद नगर के पास ढाबे में कोयले की भट्टी पर रोटियां और नान सेंकी जा रही थी। भजनपुरा क्षेत्र में भी कई जगहों पर ढाबे लकड़ी और कोयले जलता नजर आया। इन भट्टियों से निकलने वाला घना धुआं न सिर्फ हवा को दूषित कर रहा है, बल्कि आसपास के लोगों के लिए सांस लेना भी मुश्किल बना रहा है। खुरेजी, कल्याणपुरी, त्रिलोकपुरी और करावल नगर रोड पर इस तरह की भट्टियां इस्तेमाल में लाई जा रही हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि इस मौसम में कोयला और लकड़ी जलाने से निकलने वाला धुआं हवा में मौजूद प्रदूषक कणों की मात्रा को तेजी से बढ़ाता है। यही कारण है कि दिल्ली की हवा जहरीली होती जा रही है। नगर निगम की जिम्मेदारी है कि वह इन ढाबों पर सख्त कार्रवाई करे, लेकिन हालात बताते हैं कि निगरानी और प्रवर्तन में ढिलाई बरती जा रही है। ढाबा संचालक बिना किसी डर के कोयला और लकड़ी का इस्तेमाल जारी रखे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि धुआं साफ नजर आता है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं करता। निगम अधिकारियों ने बताया कि वह जांच करेंगे और जिन ढाबों पर कोयले और लकड़ी से भट्टियां जलाई जा रही हैं, उन पर कार्रवाई की जाएगी।

इंडिगो ने दिल्ली और चीन के ग्वांगझू के बीच डेली नॉन-स्टॉप फ्लाइट सर्विस की शुरू

नई दिल्ली भारतीय एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि कंपनी ने दिल्ली से चीन के ग्वांगझू के बीच डेली नॉन-स्टॉप फ्लाइट सर्विस शुरू कर दी है। यह नया रूट दो देशों के बीच डायरेक्ट कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा। चीन का ग्वांगझू दक्षिणी चीन में एक बड़ा बिजनेस और मैन्युफैक्चरिंग सेंटर है, ऐसे में एयरलाइन की ओर से यह प्रयास भारत की राजधानी को एक महत्वपूर्ण बिजनेस हब से कनेक्ट करने को लेकर अहम माना जा रहा है। इस रूट के लिए इंडिगो की ओर से ए320नियो एयरक्राफ्ट संचालित किया जाएगा, जो भारत से चीन की यात्रा करने वाले लोगों के लिए एक किफायती, सुविधाजनक और कंफर्टेबल ट्रैवल एक्सपीरियंस होगा।इंडिगो के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर पीटर एल्बर्स ने कहा, कोलकाता-ग्वांगझू फ्लाइट्स के सक्सेसफुल रिलॉन्च के बाद हम इस नई डेली कनेक्टिविटी के साथ इंडिगो की मौजदूगी का चीन में विस्तार कर बेहद खुश हैं। सबसे बड़े डोमेस्टिक हब दिल्ली से चीन का यह रूट ट्रैवल ऑप्शन को मजबूत करेगा। साथ ही, दोनों देशों भारत और चीन के बीच इकोनॉमिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रेरित करेगा। इस नए रूट से चीन का ग्वांगझू इंडिगो के 90 से अधिक डेस्टिनेशन वाले एक बहुत बड़े डोमेस्टिक नेटवर्क से जुड़ेगा, जिसके साथ चीन में रहने वाले लोगों को भारत में आने की सुविधा मिलेगी।